दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -163 जबलपुर, गुरूवार 23 जुलाई 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

राज्यसभा में खड़गे बोले- प्रधान इस्तीफा दें, फिर चर्चा करेंगे-राहुल समेत कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे; हंगामे के बीच लोकसभा कल तक स्थगित

संसद में ब्लैक प्रोटेस्ट! राहुल, प्रियंका गांधी समेत विपक्षी सांसदों का सरकार पर हमला

नई दिल्ली-(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

उधर राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें। सदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार हृश्वश्वञ्ज पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद बुधवार को काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

राजनाथ बोले- विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार न बनाएं

राजनाथ सिंह ने कहा- दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं।

हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे। हम इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि किसी भी व्यक्ति, विशेषकर हमारे छात्रों और युवाओं के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय न हो। विपक्ष के कुछ नेताओं द्वारा बिना वजह जनता और बच्चों में गुस्सा पैदा किया जा रहा है।

152 पेपर लीक, सजा किसी को नहीं, छात्रों की बात सुनने की बजाय बल प्रयोग-राहुल

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक, छात्रों के विरोध प्रदर्शन और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा प्रणाली गंभीर संकट से गुजर रही है और छात्रों की आवाज सुनने के बजाय उनके खिलाफ बल प्रयोग किया जा रहा है. राहुल गांधी ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि छात्रों का आखिर कसूर क्या है. उनके अनुसार, छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगें रख रहे हैं और केवल एक निष्पक्ष एवं भरोसेमंद शिक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि छात्र लगातार मानसिक दबाव से गुजरते हैं और परीक्षा से ठीक पहले पेपर लीक जैसी घटनाओं की जानकारी मिलती है,

नीट पेपर लीक पर संग्राम जारी, जंतर-मंतर पर फिर जुटी 15 हजार से ज्यादा की भीड़, संसद मार्च जारी रखने का किया ऐलान

नई दिल्ली-(आरएनएस)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के पेपर लीक मामले और देश की शिक्षा प्रणाली में बड़े बदलावों की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर चल रहा आंदोलन और तेज हो गया है। %कॉकरोच जनता पार्टी% (सीजेपी) के नेतृत्व में बीते एक महीने से जारी यह धरना प्रदर्शन सोमवार को हिंसक रूप ले चुका था, जिसके बाद पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने मंगलवार को भी संसद चलो मार्च जारी रखने की घोषणा की है।

जंतर-मंतर पर जुटी 15 से 20 हजार की भीड़

मंगलवार को जंतर-मंतर पर आंदोलनकारियों का हुजूम देखने को मिला, जहां करीब 15 से 20 हजार लोग एकत्र हो चुके हैं। दिल्ली-एनसीआर और पड़ोसी राज्यों से बड़ी संख्या में छात्र और समर्थक लगातार प्रदर्शन स्थल पर पहुंच रहे हैं। सोमवार को हुए बवाल को देखते हुए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने संसद भवन की ओर जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं तथा कई स्तरों (मल्टी-लेयर) की बैरिकेडिंग कर दी है।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई थी तीखी झड़प

गौरतलब है कि सोमवार को जब प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन की ओर बढ़ने का प्रयास किया था, तब पुलिस और आंदोलित छात्रों के बीच तीखी झड़प देखने को मिली थी। इस टकराव में कई पुलिसकर्मी और छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायलों को तुरंत राम मनोहर लोहिया (आरएमएल), लेडी हार्डिंग और सफदरजंग समेत दिल्ली के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया था, जहां फिलहाल उनका इलाज चल रहा है।

कॉकरोचों पर लाठीचार्ज- सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार- चीफ जस्टिस बोले- वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा समय बर्बाद न करें

नई दिल्ली.(आरएनएस)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रोटेस्ट से जुड़ी एक याचिका पर बुधवार को सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया. सुप्रीम कोर्ट में जब सीजेपी प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के एक्शन का जिक्र हुआ. इस मामले की तुरंत सुनवाई की मांग की गई. इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने साफ कहा कि उनके पास अभी वक्त नहीं है. दरअसल, एक वकील ने जंतर-मंतर पर सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले का जिक्र किया था. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की बेंच के आगे सीजेपी प्रदर्शन से जुड़े मामले की सुनवाई की मांग की. उन्होंने कहा, मेरे पास सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान दिल्ली पुलिस की बर्बरता से जुड़े वीडियो भी हैं, प्लीज देखिए कि क्या इस मामले को कल यानी गुरुवार को लिस्ट किया जा सके. वहां अब भी छात्र मौजूद हैं. इस पर सीजेआई सूर्यकांत न केवल याचिका सुनने से इनकार कर दिया, बल्कि कहा, नहीं-नहीं, हमारे पास कल समय नहीं है. हमारे पास समय नहीं है. हम वीडियो नहीं देखना चाहते. हम

सूचना

कल बुधवार 22 जुलाई 2026 को विद्युत अवरोध के कारण दैनिक क्षितिज किरण का प्रकाशन नहीं हो सका। पाठकों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

संपादक

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर अड़ा विपक्ष; एमपी.विधानसभा में कांग्रेस का काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन, सदन में जमकर हंगामा

भोपाल में भाजपा का कांग्रेस कार्यालय घेराव, बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश; पुलिस ने लिंक रोड पर रोका

भोपाल। (आरएनएस)।मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर सदन में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक दल ने विरोध प्रदर्शन करते हुए विधानसभा परिसर और सदन के भीतर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

कांग्रेस विधायक हाथों में तख्तियां लेकर सदन पहुंचे और विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया। विपक्ष ने नीट परीक्षा और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की।

राजधानी भोपाल में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन करते हुए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया। प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता दोपहर करीब एक बजे रेड क्रॉस

अस्पताल से कांग्रेस कार्यालय की ओर मार्च के लिए निकले।

पुलिस ने बीच में रोका

दिल्ली में कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री आवास के निकट किए गए धरना-प्रदर्शन और हंगामे के विरोध में भाजपा ने यह प्रदर्शन आयोजित किया। कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचने से पहले ही पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए लिंक रोड पर भाजपा कार्यकर्ताओं को रोक दिया।

कांग्रेस कार्यालय के चारों ओर भारी पुलिस बल तैनात किया गया और सभी प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग की गई। प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने आगे बढ़ने का प्रयास किया और कुछ स्थानों पर बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश भी की। इसके बाद पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच हल्की धक्का-मुक्की की स्थिति बनी, हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित रखा।

प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पुलिस की सतर्कता के चलते कार्यकर्ताओं को कांग्रेस कार्यालय तक पहुंचने नहीं दिया गया। मौके पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। स्थिति पर प्रशासन लगातार नजर बनाए हुए है।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर प्रदर्शन करने पहुंचे छात्र, दो गिरफ्तार

इंदौर। (आरएनएस)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर इंदौर में छात्रों का प्रदर्शन जारी है। भंवरकुआं चौराहे पर युवाओं का विरोध तेज हो गया है। प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं बुधवार सुबह मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर कुछ छात्र विरोध प्रदर्शन करने पहुंच गए। इनमें से दो छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर प्रदर्शन के दौरान मंगलवार को दिनभर बड़ी संख्या में विद्यार्थी और युवा इकट्ठा हुए। जहां वे धरना देने के साथ ही परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। भंवरकुआं चौराहे पर प्रदर्शनकारी हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर पेपर लीक मामले में विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी उनके द्वारा की गई।

इस बीच बुधवार सुबह भी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन कर धरना दिया। वहीं कुछ छात्र मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर पहुंच गए। इनका कहना था कि मंत्री विजयवर्गीय द्वारा छात्रों को कीड़ा कहा गया है, जिसके विरोध में छात्र यहां धरना देने पहुंचे थे। यहां प्रदर्शन करने पहुंचे छात्रों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक भंवरकुआं चौराहे पर चल रहा धरना बिना अनुमति के किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया गया कि प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों की वीडियोग्राफी कराई जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं दिल्ली के जंतर मंतर में युवाओं पर हुए लाठी चार्ज के विरोध में कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को विधानसभा में जमकर हंगामा किया।

छात्रों को गुमराह कर रहा विपक्ष! राजनाथ सिंह बोले- उनकी हर चिंता सुनना हमारी जिम्मेदारी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद, बुधवार को भी जारी रहा। राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए गए, कई स्तरों पर बैरिकेड लगाए गए और पुलिस व अर्धसैनिक बलों के जवानों की भारी तैनाती की गई। वहीं, विपक्ष भी सरकार पर हमलावर है। इस बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औज़ार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिकारक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार विद्यार्थियों और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने और उनके कल्याण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

एमपी के मुख्य सचिव अनुराग जैन बने नीति आयोग के नए सीईओ, ने जारी किया नियुक्ति आदेश

भोपाल.(आरएनएस)। एमपी के प्रशासनिक गलियारों में पिछले कई दिनों से चल रही अटकलों और कयासों का दौर अब समाप्त हो गया है. केंद्र सरकार ने राज्य के मौजूदा मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए उन्हें नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त कर दिया है. इस उच्च स्तरीय निर्णय के साथ ही प्रदेश के सबसे बड़े प्रशासनिक पद पर अब नए सिरे से नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिस पर पूरे मंत्रालय और प्रशासनिक हलकों की निगाहें टिकी हुई हैं. यह बदलाव राज्य के प्रशासनिक तंत्र में एक महत्वपूर्ण फेरबदल का संकेत दे रहा है. केंद्र सरकार की नियुक्ति समिति ने अनुराग जैन की नियुक्ति को लेकर सोमवार देर रात आदेश जारी कर दिया है. इस आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि श्री जैन नीति आयोग के नए ष्टश्वह्र के रूप में अपनी सेवाएं देंगे. यह नियुक्ति उनके द्वारा नए पद का कार्यभार संभालने की तारीख से प्रभावी मानी जाएगी.

भिंड-ग्वालियर रोड पर अनियंत्रित होकर पलटी बस, आधा दर्जन यात्री घायल

गोहद, भिंड(आरएनएस)।। भिंड-ग्वालियर मार्ग पर बुधवार सुबह करीब 6 बजे एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। दुर्घटना के बाद बस में सवार यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है, कि जिस समय हादसा हुआ तब बस में 35 से 40 यात्री सवार थे। जानकारी के अनुसार बस क्रमांक एमपी 30 पी 0795 गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के बंजारे का पुरा के पास अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। सूचना मिलते ही पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची।

अनशन खत्म करने को तैयार हुए सोनम वांगचुक, लेकिन सरकार के सामने रख दी ये बड़ी शर्त

नई दिल्ली-(आरएनएस)। सोनम वांगचुक ने सरकार से छात्र आत्महत्याओं के मुआवज़े, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर संसद में चर्चा और युवा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई न करने के स्पष्ट आश्वासन पर अपना अनशन खत्म करने की बात कही है। यह प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात के बाद आया है, जो पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन का अहम मोड़ है। एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को पत्र लिखा है। अपने पत्र के साथ एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा कि सरकार से अपील। मेरा अनशन तोड़ने के संबंध में...एक बार सरकार से आश्वासन मिल जाने के बाद, मैं शांतिपूर्ण ढंग से विरोध कर रहे छात्रों से भी अपील करूंगा कि वे फिलहाल आंदोलन रोक दें और सरकार के साथ बातचीत शुरू करें। वहीं, पत्र में लिखा है कि कल रात अस्पताल में मुझसे मिलने और मेरा अनशन खत्म करने की आपकी ईमानदार अपील के लिए धन्यवाद।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना बरगी मे रश्मि परसाई उर्वरक निरीक्षक राह वरिष्ठ कृषि विकारा अधिकारी विकासखंड जबलपुर द्वारा कार्यालय का लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमे लेख है कि दिनांक 09/07/2026 उप संचालक कृषि को किसान प्रेम चंद कुर्मी द्वारा भेजी गई ऑडियो रिकार्डिंग एवं अधिक दर पर उर्वरक विक्रय करने की शिकायत के आधार पर अनुविभागीय कृषि अधिकारी जबलपुर प्रतिभा गौर, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रश्मि परसाई एवं कृषि विस्तार अधिकारी सोनम जैन का जाँच दल गठित कर मौके पर भेजा गया।

आर्थिक उन्नति को मिलेगी नई गति-निगमायुक्त ने बैंकर्स और अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में दी जानकारी

पीएम स्वनिधि 15 और 25 हजार का ऋण चुकाने वाले स्ट्रीट वेंडर्स को मिलेगा क्रेडिट कार्ड

वेंडरों को अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित करने महापौर एवं निगमायुक्त ने बैंकर्स से किया अनुरोध

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। केंद्र और राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी पहलों के तहत अब पथ विक्रेताओं के दिन और बदलने वाले हैं। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत 15 हजार और 25 हजार रुपये का पहला व दूसरा किश्त का ऋण सफलतापूर्वक और समय पर चुकाने वाले वेंडरों को अब क्रेडिट कार्ड की सुविधा प्रदान की जाएगी। इस कदम से छोटे कारोबारियों को अपनी कार्यशील पूंजी बढ़ाने और व्यापार का विस्तार करने में सीधी मदद मिलेगी।

नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बैंक अधिकारियों के साथ पीएम स्वनिधि योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक के दौरान यह महत्त्वपूर्ण जानकारी साझा की।

निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि जिन स्ट्रीट वेंडर्स ने अपने पूर्व स्वीकृत ऋण (15,000 एवं 25,000 रुपये) की अदायगी समय पर कर दी है, उन्हें अब बैंक क्रेडिट कार्ड जारी करेंगे। इससे उन्हें बार-बार लोन आवेदन की लंबी प्रक्रिया से गुजरना नहीं पड़ेगा।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बैठक में उपस्थित सभी बैंक अधिकारियों से अपील की कि वे सहृदयता और तत्परता दिखाते हुए अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को इस योजना का लाभ पहुंचाएं।

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा वेंडरों द्वारा किए जा रहे डिजिटल पेमेंट पर मिलने वाले कैशबेक और क्रेडिट स्कोर के आधार पर ही उन्हें इस नई सुविधा से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे मुख्यधारा की बैंकिंग प्रणाली से पूरी तरह सशक्त होकर जुड़ सकें।

छोटा कारोबार, बड़ा संबल

निगमायुक्त ने कहा कि ?आत्मनिर्भर भारत और डिजिटल क्रांति के इस दौर में हमारे रेहड़ी-पटरी और स्ट्रीट वेंडर्स अर्थव्यवस्था की मजबूत रीढ़ हैं। पीएम स्वनिधि योजना के तहत क्रेडिट कार्ड मिलने से छोटे व्यापारियों को आपात स्थिति और रोजमर्रा के व्यापार संचालन में तुरंत वित्तीय मदद मिल सकेगी। इस अवसर पर अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान, अशफाक परवेज कुरैशी, वीएन बाजपेई, सौरभ मिश्रा, उपायुक्त अंकिता जैन, सभी बैंकर्स आदि उपस्थित रहे।

पनागर में पकड़ी गई 60 बोरी अमानक डीएपी के मामले में कृषि विभाग ने दर्ज कराई एफ एफ आई आर.

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद उपलब्ध कराने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे जांच अभियान के दौरान गत दिवस पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत मझौली चौराहा कटनी रोड पर पकड़ी गई अवैध और अमानक डीएपी के मामले में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी जबलपुर श्रीमती प्रतिभा गौर से प्राप्त जानकारी के अनुसार कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देश पर उर्वरक के अवैध कारोबार के विरुद्ध यह कार्यवाही 17 जुलाई को की गई थी। कार्यवाही में फेमिली रेस्टोरेंट के पास कृषि अधिकारियों की चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक एमपी 20 जेड क्यू 3246 में 60 बोरी डीएपी पाई गई।

अनुविभागीय कृषि अधिकारी के मुताबिक जाँच में मोबाइल पर दिखाए गए बिल के अनुसार उर्वरक विंध्य ट्रेडर्स, रीवा से श्री गणेश एग्रो सीड्स पनागर के लिए लाया जा रहा था, जबकि पनागर विकासखंड में इस नाम का कोई भी प्रतिष्ठान अस्तित्व में नहीं है। बिल में उर्वरक आईपीएल कंपनी का दर्शाया गया था, जबकि मौके पर भौतिक रूप से इफ्को कंपनी के नाम की बोरियां पाई गईं। उन्होने बताया कि जब्त डीएपी का नमूना लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया गया, जहां विश्लेषण के उपरांत यह अमानक (घटिया स्तर का) पाया गया। इसके अलावा बोरियों में डीएपी के स्थान पर अन्य पदार्थ के दाने भरे हुए मिले। कार्यवाही में मौके पर ही मवाहन सहित अमानक डीएपी ?को जब्त कर लिया गया था।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग की जांच रिपोर्ट पर थाना पनागर में आज बुधवार को 22 जुलाई को वाहन चालक रामकृष्ण यादव निवासी महाराजपुर जबलपुर, विक्रेता ?आकाश सिंह निवासी ग्राम बेला जिला रीवा एवं क्रेता ?सुमित तिवारी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318 (4), आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 तथा उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध कर लिया है।

सितम्बर माह में चार दिनों के लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के चलते शक्तिपुंज ट्रेन का मार्ग परिवर्तन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। यात्रियों की सुविधा, संरक्षा एवं बेहतर परिचालन व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत सीतारामपुर जंक्शन-प्रधान खांटा जंक्शन रेलखण्ड पर मुगमा रेलवे स्टेशन को कनेक्शन के साथ कमीशनिंग के तहत नॉन इंटरलॉकिंग कार्य करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के दौरान पश्चिम मध्य रेल से संचालित चार रेलगाड़ियों के मार्ग में परिवर्तन रहेगा।

प्रारम्भिक तिथियों से मार्ग परिवर्तित रेलगाड़ियाँ-

1) गाड़ी संख्या 11447 जबलपुर-हावड़ा शक्तिपुंज एक्सप्रेस, दिनांक 23.09.2026 से 26.09.2026 तक अपने प्रारम्भिक स्टेशन जबलपुर से रवाना होकर अपने निर्धारित मार्ग पतरातू-चंद्रपुरा जंक्शन-धनबाद जंक्शन-सीतारामपुर जंक्शन के बजाय परिवर्तित मार्ग पतरातू-भोपलका-कोडरमा जंक्शन-महेशमुण्डा जंक्शन-मधुपुर जंक्शन-सीतारामपुर जंक्शन से होकर गंतव्य को जाएगी।

2) गाड़ी संख्या 11448 हावड़ा-जबलपुर शक्तिपुंज एक्सप्रेस, दिनांक 24.09.2026 से 27.09.2026 तक अपने प्रारम्भिक स्टेशन हावड़ा से रवाना होकर अपने निर्धारित मार्ग सीतारामपुर जंक्शन-धनबाद जंक्शन-चंद्रपुरा जंक्शन-पतरातू के बजाय परिवर्तित मार्ग सीतारामपुर जंक्शन-मधुपुर जंक्शन-महेशमुण्डा जंक्शन-कोडरमा जंक्शन-भोपलका-पतरातू से होकर गंतव्य को जाएगी। नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के दौरान ट्रेनों के मार्ग परिवर्तन के कारण कुछ स्टेशनों पर स्थायी रूप से ठहराव प्रभावित हो सकते हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा आरंभ करने से पूर्व संबंधित ट्रेन की स्थिति एनटीईएस, रेलवे पूछताछ सेवा अथवा नजदीकी स्टेशन से अवश्य जांच लें।

गांधी भवन टाउन हॉल में बंद पड़े स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के कार्यालय को खुलवाने की रखी मांग

पूर्व कैबिनेट मंत्री जयवर्धन सिंह बाबा का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारियों ने किया जोरदार स्वागत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के रसल चौक स्थित कार्यालय में 22 जुलाई 2026 को मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री जयवर्धन सिंह बाबा का आगमन हुआ। उनके आगमन पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कांग्रेस प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं शहर जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव मनोज नामदेव, प्रदेश सचिव निर्मलचंद जैन, केशव प्रसाद चौरसिया, नारायण सिंह शर्मा, अशोक यादव, श्याम सोलंकी, श्रीमती आशा मालवीय, डॉ. किरण गठोरिया, डॉ. निधि शर्मा, ओमप्रकाश जायसवाल, शिवमंगल यादव, ओमप्रकाश शर्मा, अरुण उसरेटे, पवन सोनी, अभय सोनी सहित बड़ी संख्या में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज एवं उत्तराधिकारियों ने सूत की माला पहनाकर

उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने उनसे आग्रह किया कि गांधी भवन टाउन हॉल में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का वर्षों पुराना वाचनालय एवं कार्यालय स्थित है, जो आजादी के बाद से उनकी विरासत का प्रतीक रहा है। वर्तमान में उस कार्यालय पर अधिकारपूर्वक कब्जा कर उसे कई वर्षों से बंद रखा गया है, जिससे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कांग्रेस प्रकोष्ठ एवं सेनानियों के वंशज अपने कार्यालय का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित रखने के लिए शीघ्र कार्यालय का ताला खुलवाकर उसकी चाबी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार कांग्रेस प्रकोष्ठ को सौंपी जाए। इस पर पूर्व कैबिनेट मंत्री जयवर्धन सिंह बाबा ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उत्तराधिकारियों का सम्मान करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा से कहा कि गांधी भवन टाउन हॉल स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के कार्यालय को शीघ्र खुलवाकर उन्हें उपलब्ध कराया जाए।

मास कम्युनिकेशन विद्यार्थियों के कार्य अनुभव प्रशिक्षण का समापन

' 'कक्षा ज्ञान देती है, जबकि कार्यस्थल दृष्टि देता है' '

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के जनसम्पर्क कार्यालय में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के बी.ए. मास कम्युनिकेशन द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 14 से 22 जुलाई तक आयोजित कार्य अनुभव प्रशिक्षण का समापन प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम के साथ हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि एवं एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन एवं प्रशासन एफ.के. मेश्राम ने कहा कि कक्षा ज्ञान देती है, जबकि कार्यस्थल दृष्टि देता है। दोनों का समन्वय ही विद्यार्थियों को कुशल, उत्तरदायी और व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम संचारक बनाता है। उन्होंने कहा कि आज जनसंचार केवल सूचना प्रसारित करने का

माध्यम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास निर्माण, जन-जागरूकता और संस्थागत पारदर्शिता का महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। ऐसे में मीडिया विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे सत्यता, निष्पक्षता और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

श्री मेश्राम ने कहा कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी विद्युत व्यवस्था के कुशल संचालन के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट संचार, जनसम्पर्क, मीडिया प्रबंधन, समाचार लेखन एवं संपादन, प्रेस विज्ञप्ति लेखन, सोशल मीडिया प्रबंधन, फोटोग्राफी, दृश्य संचार तथा संस्थागत संचार की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया।

कार्यपालक निदेशक एफ. के. मेश्राम ने प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, समयबद्धता, सीखने की उत्सुकता एवं टीम भावना की सराहना करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संचार अध्ययन एवं शोध विभाग के विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उद्योग और विश्वविद्यालय के बीच ऐसा समन्वय विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

समारोह के अंत में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले सभी विद्यार्थियों को कार्य अनुभव प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

सत्येंद्र साहू की किताब ने करो 12 का विमोचन बुंदेलखंड के कलाकारों द्वारा किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) -लेखक सत्येंद्र साहू द्वारा लिखित किताब ने करो 12 का विमोचन बुंदेलखंड के कलाकारों के समागम हटा जिला दमोह में ओम की हास्य सभा कार्यक्रम मे बुंदेली गायक जितू खरे बादल,जाहर भैया,माखन दाऊ,बल्लु बुंदेली,नारान सिंह,भगत दाऊ,ओम साहू, साहिल शर्मा, हर्ष कुसमरिया सहित कई कलाकारों ने किया.हटा जिला दमोह मे बुंदेलखंड के कलाकारों का भव्य समागम हुआ.जिसमें मुख्य अतिथि डा रामकृष्ण कुसमरिया, लालचंद खटीक, सत्येंद्र साहू, गंगाराम जी रहे. बुंदेली कलाकारों मे जित्तू खरे बादल, जाहर भैया आशीष उपाध्याय, विट्ठू, हल्ले दाऊ, गुड्डू भैया, आदित्य,खुशबू, अंजलि, नारान सिंह, माखन दाऊ, भगत दाऊ, सौरभ साहू, धनीराम, रितेश साहू, मोनू तिवारी, सुरेन्द्र प्रजापति सहित 200 से अधिक बुंदेली क्रियटरो की उपस्थिति रही. ने करो किताब के लेखक सत्येंद्र तुलाराम साहू ने बताया कि नकरात्मक से

सकरात्मक की ओर विचारों को सजोकर ने करो 12 वीं किताब प्रकाशित हुई है और बहुत जल्द ने करो 13 भी आएगी. ने करो 12 के स्पान्सर विकास जैन विक्की विकास इलेक्ट्रीकल गढ़ाकोटा, और फ्रंट कबर डिजाइन आशुतोष वर्मा टोनू, बेक कबर नेहा साहू ने डिजाइन किया.पाठकों से आग्रह है कि नकरात्मक से सकरात्मक की ओर विचारों को इस लिंक पर क्लिक कर जरूर पढ़ें जो विभिन्न प्लेटफार्म एमेजॉन, प्लेस्टोर, कोबो, फिलीपकार्ट जैसे अन्य प्लेटफार्म पर उपलब्ध है.

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 293/ 2026/27 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री अमित कुमार राय, पिता- दया चंद राय** ने भवन क्रं. 1372/1 पिन क्र. 1000598081 **वार्ड क्र. 01, वार्ड- गढ़ा वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) 1. श्रीमती रीता, पति- लक्ष्मी शंकर, 2. प्रवीण, 3. प्रतीक, पिता- लक्ष्मी शंकर तिवारी, प्लाट क्षेत्रफल 900 व.फु., भूतल 800 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 800 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 268/ 2026/27 दिनांक 03.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्रीमती अन्नू बाई, पति- जगदीयर साहू, 2. कु. शिवानी साहू, पिता- श्री जगदीश साहू,** ने खसरा क्रं. 153/6 का भाग, प्लाट नं. 06, चंदन कॉलोनी, पिन क्र. 1002974060 **वार्ड क्र. 01, वार्ड- गढ़ा वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) 1. श्रीमती कमला मिश्रा, पति- डेलन प्रसाद मिश्रा, 2. श्री संजय मिश्रा, पिता- डेलन प्रसाद मिश्रा, प्लाट क्षेत्रफल 840 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 294/ 2026/27 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती सुनीता मोडक, पति स्व. श्री शंकर कृष्ण राव मोडक** ने भवन क्रं. 1034/3 पिन क्र. 1000530844 **वार्ड क्र. 03, वार्ड- त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री शंकर कृष्ण राव मोडक, पिता- कृष्णा राव मोडक, भूतल 844 व.फु. आर.सी.सी., **, शपथपत्र, सहमति शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 289/ 2026/27 दिनांक 06.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री वेदव्रत शर्मा, पिता- राज नारायण शर्मा, 2. श्रीमती मीरा शर्मा, पति- राज नारायण शर्मा,** ने भूखंड क्रं./ खसरा क्रं. 206/1 का भाग , प्लाट नं. 13 पिन क्र. 2000005400 **वार्ड क्र. 16, वार्ड- महाराणा प्रताप वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) ललित कुमार दुबे, पिता- टी.के.दुबे, प्लाट क्षेत्रफल 810 व.फु., भूतल 700 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु. , **विक्रयपत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 291/ 2026/27 दिनांक 21.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **कु. शिखा गुप्ता, पिता स्व. श्री एल.पी. गुप्ता** ने भवन क्रं. 974/अ/2 पिन क्र. 1000531927 **वार्ड क्र. 03, वार्ड- त्रिपुरी वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्री ओम प्रकाश शर्मा, पिता- जागेश्वर प्रसाद शर्मा, प्लाट क्षेत्रफल 467.5 व.फु., भूतल 467.5 व.फु. आर.सी.सी. , **विक्रयपत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 290/ 2026/27 दिनांक 21.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्री सौरभ कुमार पाण्डेय, पिता- विनोद कुमार पाण्डेय** ने भवन क्रं. भूखंड क्रं. 108 शिव अराध्य पिन क्र. .... **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास राठौर वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) 1.श्री नेकलाल पटेल, पिता- होरीलाल पटेल 2.दिलीप पटेल, 3. श्रीमती कमला बाई, प्लाट क्षेत्रफल 939 व.फु. , **विक्रयपत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 288/ 2026/27 दिनांक 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती नेहा ठाकुर, पति श्री विक्रम सिंह ठाकुर** ने भवन क्रं. योजना क्रं. 31, पी-71 पिन क्र. .... **वार्ड क्र. 01, वार्ड-गढ़ा 01 वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) श्रीमती अलका दुबे, पति - धमेंन्द्र कुमार दुबे, प्लाट क्षेत्रफल 1500 व.फु. , **विक्रयपत्र** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-1,गढ़ा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./01/गढ़ा 2026
एम. 292/ 2026/27 दिनांक 21.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **का. श्री कमलेश कुमार त्रिपाठी, पिता- आर.के.त्रिपाठी** ने भवन क्रं. .... पिन क्र. 1004067646 **वार्ड क्र. 71, वार्ड- वीर दुर्गादास राठौर वार्ड,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्ठि अनुसार) का. श्री शिव कुमार पटेल, पति- श्रीराम पटेल, भूतल 450 व.फु. कच्चा, , **शपथपत्र, चुकतानामा** , के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -1 गढ़ा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रार्थना पत्र प्रस्तुतकर्त्ता का नाम कम्प्यूटर रिकार्ड में अंकित कर दिया जायेगा। नामान्तरण होने के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति विचारणीय नहीं होगी।

संभागीय अधिकारी संभाग-1 गढ़ा नगर निगम जबलपुर

भोपाल - उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा ही विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत की सशक्त आधारशिला है। हमारा उद्देश्य केवल राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेड प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक, नवाचार आधारित एवं मूल्यपरक शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि जब शिक्षण संस्थान गुणवत्ता के सर्वोच्च मानकों पर खरे उतरेंगे, तभी मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनेगा। श्री परमार भोपाल में राज्य स्तरीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन प्रकोष्ठ के शुभारंभ, उसके आधिकारिक प्रतीक चिन्ह (लोगो) के अनावरण तथा द्वन्द्वष्ट समन्वयकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विधानसभा में मिले आगर-मालवा और जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना जागरूक नागरिक की पहचान -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे विद्यार्थी देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। लोकतंत्र को समझना, उसके मूल्यों को आत्मसात करना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाना ही जागरूक नागरिक की पहचान है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। सरकार कैसे काम करती है, नियम-कानून कैसे बनाये जाते हैं, संसदीय परम्पराएं क्या होती हैं, विधानसभा यह सब जानने-समझने का सबसे उत्तम विद्यालय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-1 में स्कूली बच्चों से संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री से विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही देखने आए आगर-मालवा जिले के विभिन्न अंचलों के 50 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों तथा स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल, जबलपुर के 40 विद्यार्थियों ने सौजन्य भेंट कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद करते हुए उनसे विधानसभा भ्रमण के अनुभव भी जाने।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बताया कि उन्हें पहली बार विधानसभा सत्र की सदन में चल रही कार्यवाही को निकट से देखने और संसदीय लोकतंत्र की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिला, जो उनके लिए अत्यंत रोचक एवं प्रेरणादायी अनुभव रहा। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनशीलता और नवाचार की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि आगर-मालवा जिले के आगर से विधायक श्री माधव सिंह (मधु गहलोत) तथा जबलपुर कैंट विधायक श्री अशोक रोहाणी के मार्गदर्शन में भोपाल पहुंचे इन विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को अपने हाथों से तैयार किए गए विभिन्न मॉडल एवं आकर्षक सीनरीज़ भी भेंट की।

एकता नगर में अवैध रेत का भंडार, जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

बरसात में ऊंचे दाम वसूलने की तैयारी! अवैध स्टॉक से शासन को राजस्व का नुकसान, कार्रवाई की मांग

गोटेगांव प्रतिनिधि- नगर की एकता नगर कॉलोनी में बड़ी मात्रा में अवैध रूप से रेत का भंडारण किए जाने का मामला सामने आया है। कॉलोनी में खुलेआम जमा की गई रेत के इस स्टॉक को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में नदी-नालों से रेत का उत्खनन प्रभावित होने के कारण इसकी मांग बढ़ जाती है। ऐसे में पहले से अवैध रूप से जमा की गई रेत को ऊंचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाने की तैयारी की जा रही है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि बिना किसी वैध अनुमति के लंबे समय से रेत का भंडारण किया गया है, लेकिन संबंधित विभाग अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर सका है। इससे यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है। जानकारों का कहना है कि अवैध रेत भंडारण से शासन को राजस्व की हानि होती है, वहीं नियमों का पालन करने वाले वैध कारोबारियों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। यदि समय रहते जांच कर कार्रवाई नहीं की गई तो बरसात के दौरान यही अवैध स्टॉक मनमाने दामों पर बेचा जाएगा, जिसका सीधा आर्थिक बोझ आम लोगों पर पड़ेगा।

नगरवासियों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि एकता नगर कॉलोनी में जमा रेत के स्टॉक की तत्काल जांच कराई जाए। यदि भंडारण अवैध पाया जाता है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए रेत जब्त की जाए, ताकि अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना समिति गठित

भोपाल (आरएनएस)- प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत प्रदेश के चयनित जिलों में क्रियान्वित योजना की निगरानी एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना समिति का गठन किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश अनुसार समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त को उपाध्यक्ष बनाया गया है। साथ ही सचिव किसान कल्याण तथा कृषि विकास को सदस्य-सचिव नामित किया गया है। सचिव उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास, पशुपालन डेयरी विकास, सहकारिता, जल संसाधन, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग/सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर/राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर/ नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय जबलपुर, राज्य प्रतिनिधि नाबार्ड मध्यप्रदेश भोपाल और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति कन्वेनर मध्यप्रदेश भोपाल सदस्य होंगे।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़े में गूंजे श्लोक, भजन और वंदना के स्वर, विद्यार्थियों ने संस्कृति और संस्कार की बिखेरी छटा

गोटेगांव प्रतिनिधि- शासकीय संदीपनी विद्यालय, गोटेगांव में आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत सोमवार को श्लोक, भजन एवं वंदना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से विद्यालय परिसर को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया। वैदिक श्लोकों के उच्चारण, गुरु वंदना और प्रेरणादायक भजनों ने उपस्थित सभी जनों को भारतीय संस्कृति और गुरु परंपरा के महत्व से जोड़ दिया।

विद्यार्थियों ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा, अनुशासन और संस्कारों का परिचय दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन और चरित्र निर्माण की आधारशिला भी है।

विद्यालय परिवार ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के माध्यम से विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, गुरुजनों के प्रति सम्मान, नैतिक मूल्यों और आध्यात्मिक चेतना का विकास किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों की उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ शिक्षा एवं संस्कारों की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।कक्षा बारहवीं जीव विज्ञान की छात्रा कुमारी आस्था श्रीवास्तव ने ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन भजन सुनाकर सभी उपस्थित विद्यालय के प्राचार्य सहित गुरुजनों और शिक्षिकाओं,अध्ययनरत बच्चों का मन मोह लिया।सभी ने बच्ची की इस प्रस्तुति पर करतल ध्वनि से स्वागत किया।।

विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय प्राथमिक परिचय (इंडक्शन प्रोग्राम) का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर के स्वामी विवेकानंद केंद्रीय मार्गदर्शन रोजगार एवं स्थानन प्रकोष्ठ के अंतर्गत दिनांक 21 जुलाई 2026 को महाविद्यालय के नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय प्राथमिक परिचय (इंडक्शन प्रोग्राम) का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. शिखा सक्सेना ने अपनी विशेष उपस्थिति प्रदान करते हुए उपस्थित नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, केंद्रीय मार्गदर्शन गतिविधियों अनुशासन तथा उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराया।

कार्यक्रम के विशेष आमंत्रित मुख्य अतिथि प्रोफेसर अरुण शुक्ला, सामाजिक नोडल अधिकारी स्वामी विवेकानंद केंद्रीय मार्गदर्शन रोजगार एवं स्थानन प्रकोष्ठ पी.एम. एकीकृत कॉलेज महाकाल महाविद्यालय जबलपुर ने माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यापर्ण उपरांत अपने सारगर्भित उद्बोधन में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के इस प्रथम चरण में अनुशासन, लगन और निरंतर कौशल विकास ही सफलता की कुंजी है। प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. उषा मसराम एवं स्थानन प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. राजश्री कपूर ने विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ केंद्रीय प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न रोजगार-मुख्य प्रशिक्षणों और मार्गदर्शन सत्रों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया तथा उन्हें महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास और हेरिटेज वर्ग के अनुरूप उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण का लाभ उठाते हुए आत्मनिर्भर बनने का संदेश दिया। डॉ. जानेश पांडे सह समन्वयक ने मुख्य अतिथि डॉ. अरुण शुक्ला का जीवन परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विनीता रतीनिया के द्वारा किया गया एवं अभिभाषण डॉ. आनंद प्रताप सिंह सह संयोजक ने किया। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के सक्रिय सदस्य डॉ. मनोज कुमार विष्णुकरमा, श्री मनीष मोर्य, डॉ. आकांक्षा चौरसिया, श्रीमती निशा जैन, ड्रा रूपाली जैन, डॉ. प्रीति पांडेय, श्रीमती पुनम सेन एवं डॉ. अजय कुमार रजक सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आगामी दिनांक 23 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली निबंध प्रतियोगिता की घोषणा भी की गई, जिसका विषय साहस की विरासत- नेताजी सुभाष चंद्र बोस एवं बाल गंगाधर तिलक निर्धारित किया गया है, ताकि विद्यार्थी राष्ट्रीय नायकों के जीवन मूल्यों से प्रेरणा ले सकें।

सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के सातवें दिन करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित।

करियर की राह दिखाने जुटे विशेषज्ञ, विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण का दिया मंत्र

गोटेगांव प्रतिनिधि- शासकीय सांदीपनि विद्यालय गोटेगांव में गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम के सातवें दिवस विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण को केंद्र में रखते हुए करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करियर मार्गदर्शक मनोज जैन, शुभम चक्रवर्ती एवं रमाकांत मिसार ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा, रोजगार के अवसरों तथा बदलते समय के अनुरूप करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता का आधार स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासित अध्ययन और निरंतर प्रयास हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप करियर का चयन करने की सलाह देते हुए समय प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल तथा तकनीकी ज्ञान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने करियर से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने व्यावहारिक उदाहरणों के साथ समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम से विद्यार्थियों में भविष्य की योजनाओं को लेकर उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। विद्यालय परिवार ने बताया कि गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रतिदिन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों से प्राप्त मार्गदर्शन को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया।

संविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों को नियमित करने सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करें

अनुकंपा आश्रितों को लाभ देने विसंगतियों को दूर करें -राकेश डी पी पाठक

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश विधुत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने ऊर्जा विभाग द्वारा जारी संविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति प्रदान करने के आदेश का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस आदेश ने वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया है किन्तु इसमें अनेक विसंगतियां हैं जिन्हें दूर नहीं किया गया तो इन अनुकंपा आश्रितों को इसका समुचित लाभ नहीं मिल पाएगा। अर्थात इस अच्छे निर्णय के बाबजूद संविदा अनुकंपा आश्रित नियमित नियुक्ति प्राप्त नहीं कर पाएंगे।

फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि इन कर्मचारियों को मूल नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता का लाभ प्रदान किया जाए। वेतन संरक्षण सुनिश्चित किया जाए जिससे किसी भी कर्मचारी के वेतन में कमी न हो। संविदा सेवा अवधि को वेतन निर्धारण एवं पदोन्नति में जोड़ा जाए। अनुकम्पा के आधार पर वृत्ताकार वेतन निर्धारण/वार्षिक वेतन वृद्धि प्रदान की जाए। राकेश पाठक ने माननीय ऊर्जा मंत्री जी, ऊर्जा सचिव, सीएमडी पावर मैनेजमेंट कंपनी और सभी एमडी गणों से अनुरोध किया है कि इस योजना का लाभ देने के लिए नियमित अनुकंपा आश्रितों की नियुक्ति से सीपीसीटी पात्रता में पूर्ण रूप से छूट प्रदान की जाए। साथ ही मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुकंपा आश्रितों के लिए जारी आदेश में पेरा नंबर छह पर अनुकंपा आश्रितों की नियुक्ति देने के साथ आगामी तीन बर्ष के लिए सीपीसीटी का करने का समय प्रदान किया जा रहा है। इस आदेश को सभी बिजली कंपनियों में भी अभिलंब लागू कराकर सभी अनुकंपा आश्रितों को नियमित नियुक्ति प्रदान करें और उन्हें भी तीन वर्षों का समय प्रदान किया जाएं। राकेश पाठक ने कहा कि ये संविदा आधार पर नियुक्त अनुकंपा आश्रित सीपीसीटी लागू होने के पूर्व से अपनी सेवाएं बिजली कंपनियों में दे रहे हैं। जिन्होंने कार्यानुभव के आधार पर अपनी दक्षता लगातार सिद्ध की है। प्रथम नियुक्ति दिनांक अनुसार इनकी सेवाएं,अनुभव को सीपीसीटी के समकक्ष मानते हुए पूर्ण रूप से छूट प्रदान की जाए। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि सभी बिजली कंपनियों में कार्यरत संविदा आधार अनुकंपा आश्रितों के मन में भविष्य को लेकर व्याप्त असुरक्षा की भावना को दूर करने तत्काल व्याप्त विसंगतियों को दूर किया जाए। अत: मध्य प्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन का अनुरोध है कि बिजली कंपनियों में कार्यरत संविदा आधार अनुकंपा कर्मचारियों के हित में जारी आदेश में कृपया उपरोक्त संशोधन करने की कृपा करें।

सिंधी मोहल्ला तिलक वार्ड छोटी खेरमाई मंदिर के पीछे मकान गिरा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सिंधी मोहल्ला तिलक वार्ड छोटी खेरमाई मंदिर के पीछे बारिश के कारण गरीब व्यक्ति का मकान गिर गया है जो संभव हो सके वह मदद करने की कृपा करें उर्मिला रजक +91 62682 16141

ज़्यादा स्टाइल, ज़्यादा विशिष्टता- स्कोडा ऑटो इंडिया ने स्लाविया मोंटे कार्लो के कलर पैलेट का विस्तार किया

* अब दो नए ड्यूल-टोन रंग विकल्पों में उपलब्ध- शिमला ग्रीन और स्टील ग्रे
* केवल 200 यूनिट तक सीमित, 1.0 एटी और 1.5 डीएसजी वैरिएंट्स में उपलब्ध

जबलपुर- स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी स्लाविया रेंज का विस्तार करते हुए, स्लाविया मोंटे कार्लो के लिए दो नए विशेष रंग विकल्प- शिमला ग्रीन और स्टील ग्रे पेश किए हैं। ये दोनों रंग आकर्षक ड्यूल-टोन फिनिश में उपलब्ध हैं। केवल 200 यूनिट तक सीमित, स्लाविया मोंटे कार्लो के ये विशेष रंग संस्करण सेडान के गतिशील डिज़ाइन, रोमांचक ड्राइविंग अनुभव और ब्रांड की रैली मोंटे कार्लो विरासत का शानदार संयोजन प्रस्तुत करते हैं।

यह नया विस्तार कार को देखने में और भी प्रभावशाली बनाता है तथा उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है, जो अधिक विशिष्ट और प्रीमियम स्वामित्व अनुभव की तलाश में हैं।

इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, स्लाविया मोंटे कार्लो को उसके विशिष्ट डिज़ाइन, प्रीमियम आकर्षण, रोमांचक ड्राइविंग डायनेमिक्स और हमारी मोटरस्पोर्ट विरासत से मजबूत जुड़ाव के लिए ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हम मोंटे कार्लो रेंज की विशिष्ट पहचान और आकर्षण को और अधिक सशक्त बना रहे हैं, जिससे ग्राहकों को अधिक विकल्प और विशिष्टता मिल सके। स्लाविया मोंटे कार्लो लगातार स्टाइल, प्रदर्शन और आधुनिकता का बेहतरीन संगम प्रस्तुत करती है। हम अपने ग्राहकों की बदलती आकांक्षाओं के अनुरूप अपने सेडान पोर्टफोलियो को और मजबूत बनाना जारी रखेंगे।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

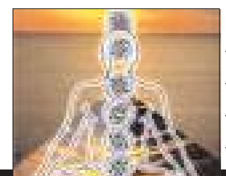

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

ग्राम सभा की बैठकों में लोगों की घटती मौजूदगी

अध्ययन के दौरान 26 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 400 ग्राम पंचायतों में करीब 7,800 लोगों के बीच सर्वेक्षण हुआ। उससे सामने आया कि ग्राम सभा की बैठकों लोगों की मौजूदगी घटती चली गई है।

केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट का सार है कि ग्रामीण इलाकों में पंचायती राज व्यवस्था नाकाम होने के कगार पर है। रिपोर्ट- राज्य/ केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राम सभाओं में निम्न भागीदारी- शीर्षक से जारी हुई है। कहा गया है कि यह अध्ययन स्थानीय स्व-शासन पर देश के सबसे बड़े जमीनी आकलनों में से एक है। इसके तहत 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की लगभग 400 ग्राम पंचायतों में करीब 7,800 लोगों के बीच सर्वेक्षण किया गया। इससे सामने आया कि ग्राम सभा की बैठकों में लोगों की मौजूदगी लगातार घटती चली गई है। आधे से ज्यादा लोगों ने कहा कि बैठकों में शामिल न होने की वजह रोजगार और कमाई से जुड़ी हैं। कामकाजी वर्ग के लिए काम-धंधा छोड़कर बैठक में आना कठिन होता है।

फिर बैठकों में स्थानीय रसूखदार लोगों का ही दबदबा बना रहता है। रिपोर्ट में जिक्र है कि ग्राम सभाएं स्थानीय मुद्दों की पहचान करने में लगभग 13 प्रतिशत समय लगाती हैं, लेकिन राजस्व बढ़ाने के उपायों पर केवल चार फीसदी समय खर्च करती हैं। चूंकि केंद्रीय अनुदान से मिलने वाला पैसा काफी हद तक पहले से तय केंद्रीय प्राथमिकताओं (जैसे जल जीवन मिशन) से जुड़ा होता है, इसलिए स्थानीय जरूरतों के मुताबिक योजना पर अमल लगभग नामुमकिन ही बना रहता है। इस रूप में पंचायती राज संस्थाएं केंद्र और राज्य सरकारों की एजेंसी बन कर रह गई हैं। जबकि 73वें और 74वें संविधान में परिकल्पना उन्हें शासन के तीसरे स्तर के रूप में स्थापित करने की गई थी।

देश की युवा पीढ़ी के महान आदर्श हैं - अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद

भारत की आज़ादी के अमर सेनानी, महान क्रांतिकारी और अदम्य राष्ट्रभक्त शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की आज 120वीं जयंती है। यह अवसर केवल उनके जन्म का स्मरण करने का नहीं, बल्कि उनके जीवन-दर्शन, राष्ट्रभक्ति, त्याग और स्वाभिमान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का भी है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और अत्याधुनिक तकनीक के युग में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि देश की युवा पीढ़ी में कितने ऐसे युवा हैं, जिन्होंने अपनी पाठ्य पुस्तकों से आगे बढ़कर चन्द्रशेखर आज़ाद के जीवन और उनके आदर्शों का गंभीर अध्ययन किया है। निस्संदेह, जिसने भी आज़ाद के जीवन को पढ़ा और समझा है, उसने जाना है कि उनका संपूर्ण जीवन परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, आत्मसम्मान, त्याग और बलिदान का अनुपम उदाहरण था। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण भारत माता की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया। अमर शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को तत्कालीन अलीराजपुर रियासत (वर्तमान मध्य प्रदेश) के भाबरा गांव में हुआ था। उनके पिता पंडित सीताराम तिवारी तथा माता जगरानी देवी थीं। भाबरा की पावन धरती पर ही उनका बचपन बीता। बाल्यकाल से ही उनमें स्वाभिमान, निर्भीकता और राष्ट्रप्रेम के संस्कार स्पष्ट दिखाई देते थे। यही कारण था कि मात्र दस-बारह वर्ष की आयु में उन्होंने घर-परिवार का मोह त्याग कर मातृभूमि की स्वतंत्रता को अपना जीवन-ध्येय बना लिया। आज जब पचास वर्ष के व्यक्ति को भी युवा कहा जाता है, तब यह कल्पना करना कठिन है कि एक बारह वर्ष का बालक अपनी जन्मभूमि की गलियों, माता पिता के स्नेह और बचपन की निश्छल दुनिया को छोड़कर केवल इसलिए निकल पड़े कि उसकी भारत माता पराधीन है। यह केवल साहस नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अद्वितीय समर्पण और असाधारण चरित्रबल का परिचायक था।

देश की स्वतंत्रता का अलख जगाने का संकल्प लेकर निकले बालक आज़ाद ने वर्ष 1921 में महात्मा गांधी द्वारा संचालित असहयोग आंदोलन में भाग लिया। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध स्वर बुलंद करने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जब अंग्रेज़ न्यायाधीश ने उनका नाम पूछा, तो उन्होंने निर्भीक स्वर में उत्तर दिया नाम — आज़ाद, पिता का नाम — स्वतंत्र और निवास — जेल। यह उत्तर सुनकर न्यायाधीश क्रोधित हो उठा और उन्हें पंद्रह बेंतों की सजा सुनाई। किन्तु प्रत्येक बेंत के साथ बालक आज़ाद के मुख से भारत माता की जय और वंदे मातरम् का घोष गूँजता रहा। अंग्रेज़ी सत्ता की क्रूरता उनके साहस को डिगा नहीं सकी। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया और चन्द्रशेखर आज़ाद एक निर्भीक क्रांतिकारी के रूप में राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बन गए। इसके बाद उनका संपर्क महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल से हुआ। वे हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सक्रिय सदस्य बने और भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया। आज़ाद का स्पष्ट विश्वास था कि दासता मनुष्य के जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप है। यही विचार उनके जीवन का मूल मंत्र बन गया और अंतिम क्षण तक वे इसी अभिशाप के विरुद्ध संघर्ष करते रहे। स्वतंत्रता संग्राम का वह दौर, विशेषकर 1920 से 1930 के बीच का दशक, अंग्रेजी शासन के लिए सबसे कठिन समय था। क्रांतिकारियों की बढ़ती गतिविधियों ने ब्रिटिश साम्राज्य की नींद उड़ा दी थी। यदि उस समय स्वतंत्रता आंदोलन की समस्त धाराएँ एकजुट हो जाती, तो संभव था कि भारत को स्वतंत्रता बहुत पहले ही मिल जाती। क्रांतिकारी संगठन को संचालित करने और हथियारों की व्यवस्था के लिए धन की आवश्यकता थी। इसी उद्देश्य से पंडित रामप्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में काकोरी कांड की योजना बनाई गई। सरकारी खजाना लूटकर अंग्रेजी शासन को यह संदेश दिया गया कि भारत के क्रांतिकारी अब केवल विरोध तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि अन्याय का उत्तर उसी की भाषा में देंगे। काकोरी कांड के बाद अंग्रेजी शासन बुरी तरह बौखला गया। देशभर में क्रांतिकारियों की धरपकड़ शुरू हुई। विडंबना यह रही कि जिन हजारों क्रांतिकारियों तक अंग्रेज़ नहीं पहुँच सके, उनमें से अनेक अपने ही लोगों की विश्वासघात पूर्ण सूचनाओं के कारण गिरफ्तार हुए और फांसी के फंदे तक पहुँच गए। यह भारतीय इतिहास का सबसे पीड़ादायक अध्याय भी है कि विदेशी शासन से अधिक नुकसान अपनों की गद्दारी ने पहुँचाया।

पंडित रामप्रसाद बिस्मिल की शहादत के बाद हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन बिखरने लगी, किंतु चन्द्रशेखर आज़ाद ने परिस्थितियों के सामने घुटने नहीं टेके। उन्होंने संगठन की कमान अपने हाथों में ली और निराश साथियों में नया उत्साह भरते हुए क्रांतिकारी आंदोलन को पुनः संगठित किया। बाद में इसी संगठन को नए स्वरूप में आगे बढ़ाते हुए हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के रूप में विकसित किया गया। इसी काल में आज़ाद और भगत सिंह की जोड़ी अंग्रेज़ी शासन के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई। दोनों ने देशभर के युवाओं में स्वतंत्रता की नई चेतना का संचार किया। भेष बदलकर, स्थान बदलते हुए और गुप्त रूप से संगठन का विस्तार करते हुए उन्होंने अंग्रेज़ी शासन की जड़ों को लगातार चुनौती दी। जहाँ भी आज़ाद जाते, वहाँ ऐसे युवाओं की टोली तैयार कर देते, जो राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर रहते। संसाधनों का घोर अभाव होने के बावजूद आज़ाद का आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। उनके सामने उस ब्रिटिश साम्राज्य की शक्ति थी, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसके राज्य में कभी सूर्यास्त नहीं होता। फिर भी वह अकेला क्रांतिकारी अंग्रेज़ी शासन के लिए इतना बड़ा खतरा बन चुका था कि उसकी गिरफ्तारी के लिए पूरे देश में जाल बिछा दिया गया। उसकी सूचना देने वालों के लिए इनाम घोषित किए गए, किंतु आज़ाद हर बार अंग्रेजों को चकमा देकर निकल जाते थे। उनका प्रिय उद्घोष आज भी हर भारतीय के हृदय में राष्ट्रभक्ति का संचार करता है—

दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे,
आज़ाद ही रहे हैं, आज़ाद ही रहेंगे।

यह केवल कविता की पंक्ति नहीं थी, बल्कि उनके जीवन का अटल संकल्प था। उन्होंने कभी जीवित अंग्रेज़ों के हाथों बंदी न बनने की प्रतिज्ञा ली थी और जीवन के अंतिम क्षण तक उस प्रतिज्ञा का अक्षरशः पालन किया। जब भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव गिरफ्तार कर लिए गए, तब भी चन्द्रशेखर आज़ाद ने उनके साथियों को छुड़ाने के अनेक प्रयास किए। वे चाहते थे कि देश के सभी बड़े नेता वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर स्वतंत्रता के इस निर्णायक संघर्ष में एकजुट हों, किंतु परिस्थितियों उनके अनुकूल नहीं बन सकीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने अभियान को कभी रुकने नहीं दिया और अंतिम क्षण तक अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष करते रहे।

27 फरवरी 1931 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम अध्यायों में सदैव अमर रहेगा। इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क में चन्द्रशेखर आज़ाद अपने साथियों की रिहाई और क्रांतिकारी गतिविधियों की भावी रणनीति पर चर्चा के लिए पहुँचे थे। वे अपने साथियों की प्रतीक्षा कर ही रहे थे कि एक विश्वासघाती की सूचना पर अंग्रेज़ी पुलिस ने पूरे पार्क को चारों ओर से घेर लिया। अचानक हुई इस घेराबंदी के बाद भी आज़ाद ने धैर्य और अद्भुत साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने साथियों को सुरक्षित निकल जाने का अवसर दिया और स्वयं अंग्रेज़ी सैनिकों से अकेले मोर्चा लेते रहे। जब तक उनकी पिस्तौल में गोलियाँ रहीं, वे दुश्मनों पर कहर बनकर टूटते रहे। अंततः जब उनके पास केवल एक अंतिम गोली शेष रह गई और गिरफ्तारी निश्चित दिखाई देने लगी, तब उन्होंने अपनी प्रतिज्ञा निभाते हुए वही अंतिम गोली स्वयं को मार ली। इस प्रकार उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान देकर यह सिद्ध कर दिया कि 卐आज़ाद जीवित पकड़ा नहीं जाएगा। 卐स्वाभिमान आज़ाद के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी। वे जो संकल्प कर लेते थे, उसे हर परिस्थिति में पूरा करते थे। कठिनाइयाँ, अभाव, भूख, प्यास और मृत्यु का भय भी उन्हें अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं कर सका। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि राष्ट्रभक्ति केवल शब्दों से नहीं, बल्कि त्याग, साहस और बलिदान से सिद्ध होती है! आज, जब देश की नई पीढ़ी आधुनिकता और तकनीकी सुविधाओं के बीच अपना भविष्य गढ़ रही है, तब उसे यह भी जानना चाहिए कि स्वतंत्र भारत की यह खुली हवा किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि चन्द्रशेखर आज़ाद जैसे असंख्य अमर बलिदानियों के रक्त से सिंचित विरासत है। यदि नई पीढ़ी उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करेगी, तभी राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व, कर्तव्यबोध और स्वाभिमान की भावना और अधिक सशक्त होगी। मात्र पच्चीस वर्ष की आयु में उन्होंने अपने रक्त से मातृभूमि की स्वतंत्रता का अभिषेक कर दिया। उनकी शहादत ने पूरे देश में अंग्रेजी शासन के विरुद्ध विद्रोह की ज्वाला और प्रचंड कर दी। अंग्रेज़ी सरकार यह समझ चुकी थी कि यदि क्रांतिकारियों की विचारधारा को समय रहते नहीं रोका गया, तो उसका भारत पर शासन अधिक दिनों तक टिक नहीं सकेगा। यही कारण था कि कुछ ही दिनों बाद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को भी निर्धारित तिथि से पहले गुप्त रूप से फांसी दे दी गई। इन अमर बलिदानियों ने यह सिद्ध कर दिया कि मातृभूमि के सम्मान के लिए मृत्यु भी जीवन से अधिक गौरवशाली हो सकती है। उन्होंने सत्ता, धन और प्रलोभनों को ठुकराकर अपने प्राण राष्ट्र को समर्पित कर दिए, इसलिए उनका बलिदान भारतीय इतिहास की सबसे उज्ज्वल धरोहर है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह संकल्प लिया गया था कि देश अपने शहीदों के बलिदान को सदैव स्मरण रखेगा। समय-समय पर उनके सम्मान में कार्यक्रम आयोजित होंगे और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से परिचित कराया जाएगा। किंतु समय बीतने के साथ अनेक स्थानों पर शहीद स्मरण समारोह केवल औपचारिकता बनकर रह गए। कहीं वे राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन का मंच बन गए तो कहीं राष्ट्रभावना की अपेक्षा दलगत हित अधिक महत्वपूर्ण हो गए। यह स्थिति उन महान बलिदानियों के प्रति हमारी कृतज्ञता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। आज की सबसे बड़ी चिंता यह नहीं है कि युवा आधुनिक तकनीक से जुड़ रहे हैं, बल्कि यह है कि वे अपने इतिहास और अपने राष्ट्र नायकों से दूर होते जा रहे हैं। वर्ष में केवल दो राष्ट्रीय पर्वों पर सोशल मीडिया पर संदेश या तिरंगे की तस्वीर लगा देना देशभक्ति का प्रमाण नहीं हो सकता। सच्ची राष्ट्रभक्ति तब जागृत होती है, जब युवा अपने राष्ट्र के इतिहास, संस्कृति, संविधान और उन महापुरुषों को जानता है, जिनके त्याग के कारण वह स्वतंत्र भारत में सम्मानपूर्वक जीवन जी रहा है। विडंबना यह भी है कि आज का युवा देश विदेश के पर्यटन स्थलों की यात्रा तो करता है, किंतु चन्द्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु और अन्य महान क्रांतिकारियों की जन्मस्थलियों तथा स्मारकों तक पहुँचने की प्रेरणा उसके भीतर बहुत कम दिखाई देती है। जब तक नई पीढ़ी अपने वास्तविक नायकों को नहीं जानेगी, तब तक राष्ट्रप्रेम केवल नारों तक सीमित रहने का खतरा बना रहेगा। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति के युग में सूचना का अभाव नहीं है, लेकिन प्रेरणा का संकट अवश्य दिखाई देता है। इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास और उसके महानायक केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित न रहें, बल्कि उन्हें शिक्षा, संस्कृति, मीडिया और सार्वजनिक जीवन के माध्यम से नई पीढ़ी के चरित्र निर्माण का आधार बनाया जाए। सरकारों का भी यह दायित्व है कि अमर शहीदों के जीवन-दर्शन को विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में अधिक व्यापक रूप से स्थान दिया जाए। शहीद स्मारकों को केवल औपचारिक आयोजन स्थलों के बजाय राष्ट्रीय प्रेरणा केंद्र बनाया जाए, जहां युवा पीढ़ी जाकर अपने इतिहास को अनुभव कर सके। राष्ट्र के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले इन महानायकों की स्मृति राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय चेतना का स्थायी प्रतीक बननी चाहिए। वास्तव में चन्द्रशेखर आज़ाद का जीवन केवल भारत के युवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व की युवा पीढ़ी के लिए साहस, स्वाभिमान, राष्ट्रनिष्ठा और चरित्रबल की अमर गाथा है। उनके जीवन का प्रत्येक अध्याय यह सिखाता है कि राष्ट्र सबसे ऊपर है और व्यक्ति का सर्वोच्च धर्म अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करना है। यदि हम सचमुच चाहते हैं कि भारत की युवा पीढ़ी नशे, अपराध, हिंसा और नैतिक पतन से दूर रहे, तो उसे आधुनिक तकनीक के साथ-साथ चन्द्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, सुखदेव, राजगुरु, अशफ़ाक़ उल्ला ख़ाँ और अन्य अमर क्रांतिकारियों की शौर्यगाथाएँ भी सुनानी होंगी। यह केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार, शिक्षक, समाज और जागरूक नागरिक का भी राष्ट्रीय दायित्व है। शहीद चन्द्रशेखर आज़ाद की 120वीं जयंती पर उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके विचारों, त्याग, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम को आने वाली पीढ़ियों के मन-मस्तिष्क में अंकित करें। जिस दिन भारत का युवा आज़ाद के आदर्शों को अपने जीवन का मार्गदर्शन बना लेगा, उसी दिन स्वतंत्र भारत की वास्तविक आत्मा और अधिक सशक्त होकर विश्व के सामने खड़ी होगी।

अरविंद रावल
गोपाल कॉलोनी, झाबुआ म.प्र.

राष्ट्रीय ध्वज- राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं।

25 जुलाई से शुरू होगा चातुर्मास, चार माह तक विवाह समेत सभी मांगलिक कार्यों पर लगेगा विराम

हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माने जाने वाले चतुर्मास का शुभारंभ इस वर्ष 25 जुलाई से होगा. आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकादशी से प्रारंभ होने वाला यह चार माह का धार्मिक काल 20 नवंबर को देवप्रबोधिनी एकादशी के साथ समाप्त होगा. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु क्षीर सागर में शेषनाग की शय्या पर योगनिद्रा में चले जाते हैं और इसी कारण इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, जनेऊ संस्कार तथा अन्य सभी मांगलिक कार्य स्थगित कर दिए जाते हैं. देवप्रबोधिनी एकादशी पर भगवान विष्णु के जागरण के बाद ही पुनः शुभ कार्यों की शुरुआत होती है. धार्मिक परंपराओं के अनुसार चतुर्मास केवल पूजा-पाठ का समय नहीं है, बल्कि आत्मसंयम, साधना और सात्विक जीवन अपनाने का भी विशेष अवसर माना जाता है. मान्यता है कि इस अवधि में भगवान शिव सृष्टि के संचालन की जिम्मेदारी संभालते हैं, जबकि श्रद्धालु जप, तप, व्रत और दान के माध्यम से आध्यात्मिक उन्नति का प्रयास करते हैं. मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर भी इस दौरान विशेष अनुष्ठान, कथा, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. चतुर्मास का समय वर्षा ऋतु के दौरान पड़ता है, इसलिए इसका स्वास्थ्य से भी गहरा संबंध माना गया है.

राम को समझो, कृष्ण को जानो

हरिशंकर व्यास

मैंने वह समय देखा है जब चौधरी चरण सिंह ने 'असली भारत' की बात करते हुए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। फिर वह भी समय जब हिंदू भारत की हवाबाजी में नरेंद्र मोदी ने शपथ ली। दोनों समय का कुल परिणाम क्या? मोटामोटी राम-राम सा बोलने वाले आम हिंदुओं से धोखा। कथित असली भारत का किसान आज भी बेचारा है। वही राम के नाम पर संघ, भाजपा और नरेंद्र मोदी को जिताने वाला हिंदू अपने धर्म की ऐसी-तैसी होते देख रहा है! बिचारें 1990 की राम रथ यात्रा से 2026 में राम मंदिर के कुल 36 साला इतिहास पर? गांव-गांव से शिला-चंदा एकत्र करने से ट्रस्टियों की चढ़ावा चोरी के कथित सांस्कृतिक पुनर्जागरण वाले मौजूदा हिंदू राष्ट्रवाद पर?

इतिहास में गजनवी मंदिरों को लूटने के लिए बार-बार भारत आता था। वही हिंदुस्तान अब बतौर हिंदू राष्ट्र मंदिरों को लूटने यानी चढ़ावा खाने की आधुनिक व्यवस्थाएं लिए हुए है।

क्या मैं गलत हूं? क्या यह विचित्र हिंदू भारत नहीं है? वह भारत जिसमें संवेदना, शर्म, जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व कोई नहीं है। सभी आंख-नाक-कान बंद किए ठूंठ भाव, ठूंठ हिंदू राष्ट्र बना बैठे हैं। मैंने गुरुवार को एक टीवी चैनल पर विरोधी नेता अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता अजय राय की आलोचनाओं, विरोध के जवाब में भगवाधारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कहे वाक्य सुने। पहली बात, उनके चेहरे पर रत्ती भर शर्म, ग्लानि, खेद नहीं था। उन्होंने प्रभु राम की मर्यादा के हवाले कहा, हमने मर्यादा का पालन किया! ये लोग (अखिलेश, कांग्रेस) लाठी-गोली चलाते थे। इनके दोगले चरित्र को देखोज वे लोग कह रहे हैं कि अयोध्या में राम भक्तों का अपमान हो गया। क्या तब अपमान नहीं हो रहा था?.. ये लोग नहीं चाहेंगे कि अयोध्या का नाम हो!

पता नहीं आदित्यनाथ ने गोरख परंपरा में योगी, पीठाधीश्वर/संरक्षक, महंत, संत के कर्तव्य, भूमिका को पढ़ा है या नहीं? इसमें लिखा है कि देवस्थान की रक्षा, दान-संपत्ति का संरक्षण, मठ की प्रतिष्ठा की रक्षा नाथ परंपरा का परम धर्म है। और ध्यान रहे, बतौर मुख्यमंत्री भी आदित्यनाथ का जिम्मा अलग है। उस नाते उनकी नाक के नीचे भक्तों द्वारा दिए गए दान और मंदिर की आय का उपयोग धर्मार्थ व संस्थागत उद्देश्यों के लिए होना था या चोरी का माल बनना था? क्यों तब वे जांच, एसआईटी की बात कर रहे हैं? जब अपने राज की परंपरा में उन्होने सीधे एनकाउंटर, बुलडोजर का रामराज्य बनाया है तो चंपत राय, अनिल मिश्रा, गोपाल राव, ट्रस्ट पदाधिकारियों के लिए एसआईटी क्यों, उनके सीधे एनकाउंटर का उनका बनाया राजधर्म कहां गया?

ईमानदारी से सोचें, अयोध्या में संघ के स्वयंसेवकों के ट्रस्ट की देखरेख में चढ़ावे की चोरी से भयावह राम के नाम की बदनामी दूसरी क्या है? बाबर ने तो मंदिर ढहाया था, चंपत राय एंड पार्टी ने हिंदू की उस आस्था, गर्व पर बुलडोजर चलाया है, जिसमें राम के जन्मस्थान मंदिर में, कथित हिंदू राष्ट्र के कथित रामराज्य में चढ़ावे की चोरी का एक अकल्पनीय अपराध हुआ है।

गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को, इस दिन प्रीति, हर्षण व पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का अद्भुत संयोग

ग्वालियर। गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को मनाई जाएगी। यह दिन भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि गुरु पूर्णिमा हिंदू धर्म का एक प्रमुख पर्व है, जिसे आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। गुरु का अर्थ होता है वह जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाए। गुरु न केवल शिक्षा देते हैं बल्कि जीवन को सही दिशा भी प्रदान करते हैं। यह दिन विशेष रूप से उन गुरुओं को समर्पित है, जिन्होंने हमें ज्ञान, संस्कार और जीवन जीने की कला सिखाई है। गुरु पूर्णिमा को %व्यास पूर्णिमा% भी कहा जाता है, क्योंकि इसी दिन महर्षि वेदव्यास का जन्म हुआ था। भारतीय परंपरा में गुरु को भगवान से भी ऊंचा स्थान दिया गया है।

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन- कृषि मशीनीकरण के माध्यम से उत्पादकता में वृद्धि

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) के माध्यम से पूरे देश में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों तथा सामाजिक रूप से वंचित वर्गों की आधुनिक कृषि मशीनों तक पहुंच सुनिश्चित हो रही है। कृषि मशीनीकरण में क्षेत्रीय असमानताओं को दूर करने के लिए विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों के साथ उन राज्यों एवं क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां कृषि यंत्रों का उपयोग अपेक्षाकृत कम है। योजना के शुरू होने से अब तक 9,404.47 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता के माध्यम से देशभर के किसानों को 21.61 लाख कृषि मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा, 52.5 करोड़ रुपये की सहायता से 40,918 हेक्टेयर क्षेत्र में 40,928 से अधिक ड्रोन प्रदर्शन आयोजित किए गए हैं। इन प्रदर्शनों ने किसानों के बीच आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कृषि यांत्रिकीकरण के माध्यम से खेती को सुदृढ़ बनाना

भारत में कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मशीनीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन के पूरे चक्र में विभिन्न कृषि कार्यों के लिए मशीनों, उपकरणों और आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है। इनमें भूमि की तैयारी, बुआई, सिंचाई, फसल संरक्षण, कटाई एवं कटाई के बाद के प्रबंधन जैसे सभी प्रमुख कार्य शामिल हैं। कृषि मशीनीकरण से मानव और पशु श्रम पर निर्भरता कम होती है, जिससे कृषि कार्य समय पर, अधिक दक्षता व सटीकता के साथ पूरे किए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत घटती है, श्रम उत्पादकता बढ़ती है, कृषि कार्यों की गुणवत्ता में सुधार होता है तथा किसानों की आय और खेती की समग्र उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत में कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) शुरू किया गया। यह राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत केंद्र प्रायोजित एक प्रमुख पहल है। इसका उद्देश्य आधुनिक कृषि मशीनों एवं उपकरणों का लाभ उन किसानों और क्षेत्रों तक पहुंचाना है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। इस योजना का विशेष ध्यान छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों, अनुसूचित जाति (एससी) एवं अनुसूचित जनजाति (एसटी) के किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) तथा ग्रामीण उद्यमियों पर है।

यह योजना कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) की स्थापना को बढ़ावा देती है। ये ऐसे केंद्र हैं, जहां कृषि मशीनें, औजार और उपकरण उपलब्ध होते हैं, जिन्हें किसान किराए पर ले सकते हैं। यह योजना उच्च-प्रौद्योगिकी और महंगे कृषि उपकरणों के लिए हब स्थापित करने तथा कृषि मशीनरी के वितरण में भी सहायता प्रदान करती है। इसके तहत प्रदर्शन और क्षमता निर्माण संबंधी पहलों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाती है। उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जहां कृषि मशीनीकरण का स्तर और कृषि शक्ति अपेक्षाकृत कम है। साथ ही, कस्टम हायरिंग सेंटरों के माध्यम से सस्ती किराया सेवाएं उपलब्ध कराकर छोटे जोत आकार और अधिक लागत जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाता है। इसके अलावा, कृषि मशीनीकरण पर सब-मिशन के तहत कृषि मशीनरी के प्रदर्शन परीक्षण और प्रमाणन को भी सहायता प्रदान की जाती है। इससे जुड़े हितधारकों के बीच इनका उपयोग बढ़ाने के लिए सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियां भी संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2007 में शुरू की गई राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य राज्यों को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में सार्वजनिक निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह योजना राज्यों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें लागू करने की पर्याप्त स्वतंत्रता और अधिकार प्रदान करती है। इसके अंतर्गत फसल उत्पादन, बुनियादी ढांचे का विकास, कृषि मशीनीकरण तथा मूल्य संवर्धन जैसी विभिन्न गतिविधियां शामिल हैं। वर्ष 2017-18 में इस योजना का पुनर्गठन कर इसे आरकेवीवाई-रफ्तार (कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए लाभकारी दृष्टिकोण) के रूप में लागू किया गया, जिसमें फसल-पूर्व और फसलोपरांत बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

खेती की उत्पादकता बढ़ाने के लिए एसएमएएम के रणनीतिक स्तंभ

कृषि यांत्रिकीकरण पर सब-मिशन (एसएमएएम) को आधुनिक कृषि उपकरणों तक पहुंच बेहतर बनाकर, श्रम की आवश्यकता कम करके और खेती की उत्पादकता बढ़ाकर समावेशी तथा कुशल कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

प्रशिक्षण, परीक्षण, प्रदर्शन व फसल कटाई के बाद के कामों में मशीनीकरण को बढ़ावा देना- आधुनिक कृषि तकनीकों तक पहुंच बढ़ाकर कृषि उत्पादकता और कार्यकुशलता में वृद्धि करता है। साथ ही, कृषि मशीनीकरण को प्रोत्साहित करते हुए फसल कटाई के बाद प्रसंस्करण, भंडारण, मूल्य संवर्धन तथा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करता है।

खेती-बाड़ी के यंत्रों और उपकरणों की खरीद के लिए आर्थिक मदद- यह योजना प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से कृषि मशीनों के व्यक्तिगत स्वामित्व के लिए सब्सिडी प्रदान करती है। इसके तहत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों को कृषि मशीन की लागत का 40 प्रतिशत व अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, छोटे और सीमांत किसानों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाभार्थियों को 50 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अलावा, छोटे एवं सीमांत किसानों को कस्टम हायरिंग सेंटर, स्वयं सहायता समूह और किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से ड्रोन सहित मशीनीकृत कृषि सेवाओं के उपयोग के लिए प्रति हेक्टेयर 2,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। किराये पर मशीनें देने के लिए %फार्म मशीनरी बैंक% (एफएमबी) बनाना- यह योजना एसएचजी, एफपीओ और स्थानीय संस्थाओं को कृषि मशीनें खरीदने के लिए 80 से 90 प्रतिशत तक की वित्तीय सहायता प्रदान कर कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देती है। सीएचसी की स्थापना के लिए 250 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर कुल लागत का 40 प्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जबकि एफएमबी की स्थापना के लिए 30 लाख रुपये तक की परियोजनाओं पर 80 प्रतिशत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। हाई-टेक और ज्यादा उत्पादकता वाले इक्विपमेंट हब बनाना- कार्यकुशलता बढ़ाने तथा महंगी और उन्नत कृषि मशीनों तक किसानों की पहुंच आसान बनाने के लिए फसल-विशिष्ट कार्यों हेतु उन्नत एवं उच्च क्षमता वाली कृषि मशीनरी से सुसज्जित केंद्रों की स्थापना करना सुनिश्चित किया गया है।पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) में कृषि यांत्रिकीकरण को बढ़ावा देना- पूर्वोत्तर राज्यों की क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष सहायता प्रदान की जाती है।

-:: आज का राशिफल ::-

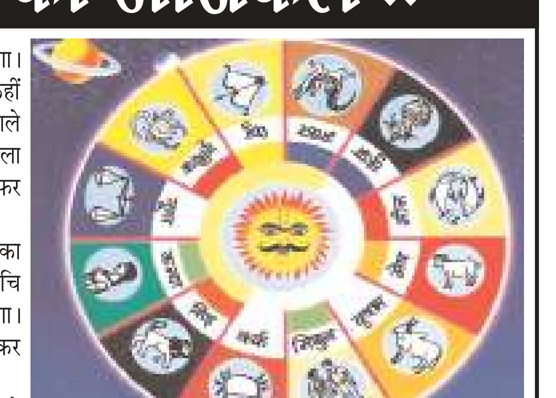

वृष राशि-आज का दिन बेहतरीन रहेगा। आज आप बिजनेस के सिलसिले में बाहर कहीं यात्रा पर जा सकते हैं। इंजीनियरिंग करने वाले स्टूडेंट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर आ सकते हैं।

मिथुन राशि-आज के दिन भाग्य आपका पूरा साथ देगा। अध्यात्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ने से आज आपमे विनम्रता भाव आएगा। युवा वर्ग का अपने किसी प्रोजेक्ट को लेकर किया गया प्रयास आज सफल रहेगा।

कर्क राशि-आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा घर में किसी धार्मिक अनुष्ठान की तैयारी में व्यस्त रहेंगे। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होगी, लेकिन जल्द ही सब ठीक हो जायेगा। आज बच्चे आपको कारोबार में पूरा सपोर्ट करेंगे।

सिंह राशि-आज का दिन खुशहाल रहने वाला है। आर्किटेक के क्षेत्र जुड़े लोगों को आज अच्छा अवसर मिल सकता है। कुछ समय अपनी रुचि वाले कामों में बिताने से नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस होगी। आज किसी अच्छी कंपनी में आपकी जॉब लगने की संभावना है।

कन्या राशि-आज का दिन सबसे अच्छा रहने वाला है। आज आपके आत्मविश्वास और मनोबल के आगे विरोधी टिक नहीं पाएंगे। रुका हुआ या उधार दिया हुआ पैसा वसूल करने के लिए आज समय अनुकूल है।

तुला राशि-आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आप दिनभर घर की व्यवस्था और सुधार से जुड़े कामों में व्यस्त रहेंगे और आज बच्चों के साथ बैठकर उनकी समस्याओं का समाधान करने से उनका आत्मबल बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि-आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपकी नये कार्यों में रुचि बढ़ेगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फीजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे

धनु राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। अगर आज आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं तो वह आज समय से पहले पूरा कर लेंगे, लेकिन आज आपको पहले से योजना बनाकर चलने की जरूरत है।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लेकर आएगा। यह परिणाम व्यवसाय से जुड़ा हो सकता है। आज किसी नये व्यवसाय में पैसा लगाने से आपको दोगुना धनलाभ होने के असार है।

कुंभ राशि-आज के दिन धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और आपकी धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। ऑफिस में आज कुछ सहकर्मी आपके काम का विरोध करेंगे तो कुछ सहकर्मी आपके पक्ष में भी रहेंगे। अगर व्यवसाय से जुड़ा कोई कोर्ट केस चल रहा है, तो आज उसे सुलझाने का आज सही समय है।

मीन राशि-आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। अगर आप नौकरी कर रहें तो आज ट्रांसफर किसी अच्छी जगह पर हो सकता है। पारिवारिक कामों को करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। आज आपका समय परिवार वालों के साथ अधिक बितेगा साथ ही कहीं बाहर घूमने-फिरने का प्लान बना सकते हैं।

नई दिल्ली-(आरएनएस)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को 2026 पेपर लीक के आरोपों को लेकर विरोध कर रहे छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ये हमारे बच्चे हैं और केंद्र सरकार पर संसद में शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर चर्चा न करने का आरोप लगाया। मानसून सत्र के पहले दिन संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जहां विपक्ष शिक्षा क्षेत्र के अहम मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहा है, वहीं इस मुद्दे पर विरोध कर रहे छात्रों के साथ सख्ती बरती जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- 'जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती'

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले कहा कि हां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मानसून सत्र आरंभ हो रहा है, देश ने रफ्तार पकड़ ली है और संसद का स्पिरिट उस रफ्तार में नई ऊर्जा भर सकता है। सकारात्मक स्पिरिट राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक होता है। उन्होंने कहा, हमारे सदन में बहुत अनुभवी सांसद भी हैं, चाहे दल उनका कोई भी हो। उनके पास लंबा अनुभव है। ऐसे समय में उनके अनुभव और ज्ञान की देश व संसद को जरूरत है। आज के लिए संसद का चलना, सार्थक चर्चा होना और मिल-जुलकर देश को आगे ले जाने का संकल्प लेना, मैं समझता हूं कि यह समय की मांग की है।

पीएम मोदी ने आगे कहा, एक्सप्रेशन से भरे हुए देश के युवाओं की मांग है कि हम आगे बढ़ें। आज समय की मांग है कि राष्ट्रनिष्ठा से भरे हुए राष्ट्रभक्ति के लिए जी रही आवाज को सदन में उचित मंच मिलता रहे। वे आवाज को बुलंद करे और देश को दिशा दे।

उन्होंने कहा, जहां तथ्य और तर्क होते हैं, वहां तूफान के लिए जगह नहीं होती है। अगर तर्क मजबूत हैं और तर्क मजबूत हैं तो शांत चित्त से भी अपनी आवाज को बुलंद बनाया जा सकता है। मैं आशा करता हूं कि तर्क और तथ्य के साथ सदन की चर्चा को समृद्ध किया जाए। हर आवाज को अवसर मिले और हर विचार को सम्मान मिले, यह संसद की हमारी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं सभी सांसदों से बढ़-चढ़कर सदन में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रित करता हूं। आज सुबह लोकसभा स्पीकर ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से देश के सांसदों का स्वागत करने के अपने भाव को व्यक्त किया है। मैं भी उसमें अपना स्वर मिलाता हूं।

मानसून सत्र 2026 का आगाज़ : प्रधानमंत्री मोदी ने रचनात्मक बहस, विकास और युवाओं की उपलब्धियों पर दिया जोर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र 2026 के पहले दिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए आशा व्यक्त की कि यह सत्र सार्थक चर्चा, सकारात्मक संवाद और राष्ट्रीय हित में प्रभावी निर्णयों का मंच बनेगा। उन्होंने कहा कि जैसे सक्रिय मानसून देश के लिए समृद्धि लाता है, उसी प्रकार एक उत्पादक मानसून सत्र भी राष्ट्र के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, चाहे मानसून हो या मानसून सत्र, जब दोनों सक्रिय होते हैं तो वे अत्यधिक उत्पादक होते हैं और राष्ट्र के कल्याण में योगदान देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि मानसून सक्रिय रहे और मानसून सत्र भी उत्पादक रहे।

उन्होंने कहा कि संसद का सुचारू संचालन, तथ्यों पर आधारित गंभीर चर्चा और देशहित में सामूहिक निर्णय आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि वे व्यवधानों से बचते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करें और भारत की प्रगति के लिए रचनात्मक भूमिका निभाएं।

पिछले एक महीने की उपलब्धियों पर जताया गर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक महीने में भारत ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई ऐसी उपलब्धियां हासिल की हैं, जिन्होंने प्रत्येक भारतीय का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। उन्होंने विशेष रूप से अंतरिक्ष क्षेत्र में भारतीय युवाओं और स्टार्टअप्स की सफलता का उल्लेख करते हुए निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट द्वारा हासिल ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि मात्र 28 वर्ष की औसत आयु वाली टीम ने भारत को निजी अंतरिक्ष अन्वेषण के नए युग में पहुंचाकर दुनिया के सामने भारतीय युवाओं की क्षमता का परिचय दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारतीय युवाओं की आकांक्षाएं और क्षमताएं अंतरिक्ष की तरह असीमित हैं।

सुधारों का परिणाम है युवाओं का बढ़ता आत्मविश्वास प्रधानमंत्री ने इन सफलताओं का श्रेय सरकार द्वारा किए गए नीतिगत सुधारों और नवाचार को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण को दिया। उन्होंने कहा कि सुधारों के कारण आज देश का युवा बड़े जोखिम लेने और नए क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने का साहस दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में विकसित हो रहे नवाचार और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र ने युवाओं को नई ऊर्जा और अवसर प्रदान किए हैं, जिसका परिणाम विश्व स्तर पर दिखाई दे रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा एक्शन, एसआईटी का होगा पुनर्गठन; आईपीएस अधिकारी की अगुवाई में नई टीम करेगी जांच

नई दिल्ली (आरएनएस)। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के सनसनीखेज मामले में सोमवार (20 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई हुई। देश के मुख्य न्यायाधीश (ष्टछ्व) जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एक बड़ा आदेश पारित किया है। शीर्ष अदालत ने किसी वरिष्ठ ढ्ढक्कस् अधिकारी की अगुवाई में मामले की जांच कर रही विशेष जांच टीम (स्ढ्ढञ्ज) का पुनर्गठन करने का सख्त निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान सरकार का पक्ष रख रहे सॉलिसिटर जनरल (स्त्र) तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी गई है। उन्होंने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि मामले की जांच तेज गति से जारी है और पुलिस अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामले की सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल से सीधे तौर पर पूछा कि वर्तमान में इस मामले की जांच कौन कर रहा है। इस पर तुषार मेहता ने जवाब देते हुए कहा कि सच्चाई का पता लगाने के लिए ही स्ढ्ढञ्ज बनाई गई थी और अब पुलिस इसकी जांच कर रही है। एसजी ने अदालत को बताया कि जांच एजेंसी ने अपनी तफ्तीश में पाया है कि यह पूरी तरह से एक संज्ञेय अपराध (कॉग्निजेबल ऑफेंस) है, जिसमें पुलिस को बिना वारंट के गिरफ्तारी करने का अधिकार होता है।

सुनवाई के दौरान ष्टछ्व सूर्यकांत ने मामले को लेकर हो रही बयानबाजी पर नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि इस पूरे मुद्दे का किसी भी तरह से राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। चीफ जस्टिस ने सख्त लहजे में कहा कि अदालतें राजनीति करने की जगह नहीं हैं, यह सीधे तौर पर अपराध को अंजाम देने का एक साधारण मामला है। उन्होंने एसजी तुषार मेहता से कहा कि एसआईटी में वरिष्ठ सदस्य शामिल थे, ऐसे में पता करें कि क्या जांच के लिए नई स्ढ्ढञ्ज बनाई जा सकती है, जिस पर एसजी ने सहमति जताते हुए नई टीम बनाकर रिकॉर्ड पर रखने की बात कही। कोर्ट ने साफ किया कि उनका काम केवल यह सुनिश्चित करना है कि मामले की ठीक से जांच हो। अब इस मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी, जहां उत्तर प्रदेश सरकार अदालत को एसआईटी जांच के बारे में विस्तृत जानकारी देगी।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू, नई दिल्ली में संसद भवन में राजनीतिक दलों के फ्लोर लीडर्स के साथ बैठक से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए।

ममता बनर्जी को हाई कोर्ट से बड़ा झटका, 440 करोड़ वाले बैंक खातों पर ED का ताला रहेगा बरकरार

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) को कलकत्ता हाई कोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) द्वारा फ्रीज किए गए पार्टी के तीन बैंक खातों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। इन खातों में कुल 440 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम जमा है। इससे पहले राज्य पुलिस ने भी इन खातों को सीज किया था, जिन्हें हाई कोर्ट की एक अन्य बेंच ने आंशिक रूप से खोल दिया था, लेकिन इसके तुरंत बाद श्वष्ठ ने कड़ा एक्शन लेते हुए इन खातों को फिर से पूरी तरह से फ्रीज कर दिया।

इस पूरे मामले में इससे पहले कलकत्ता हाई कोर्ट की ही एक दूसरी बेंच ने पार्टी को फौरी राहत देते हुए कुछ कड़ी शर्तों के साथ खातों के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी दी थी। अदालत ने तब साफ किया था कि पार्टी इन खातों से कोई बड़ा लेनदेन नहीं कर सकेगी और इसका इस्तेमाल केवल अपने दिन-प्रतिदिन के जरूरी कामकाज और खर्चों के लिए ही होगा। पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सिंगल बेंच के जस्टिस सौगत भट्टाचार्य ने कलकत्ता हाई कोर्ट के ही रिटायर्ड जज जस्टिस सुब्रत तालुकदार को स्पेशल ऑफिसर नियुक्त किया था। कोर्ट का आदेश था कि यह निगरानी व्यवस्था 30 सितंबर तक लागू रहेगी।

पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्यप्रणाली और खातों को इतनी तेजी से फ्रीज करने की कार्रवाई पर गहरी हैरानी व्यक्त की थी। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि 18 जून को एफआईआर दर्ज होती है और अगले ही दिन 19 जून को आनन-फानन में बैंक खातों पर रोक लगा दी जाती है। अदालत का स्पष्ट मानना था कि शुरुआती स्टेज पर ऐसा कोई ठोस आधार या सबूत नजर नहीं आता जिसके दम पर इतनी हड़बड़ी में यह कदम उठाया गया हो। कोर्ट ने पुलिस व्यवस्था पर तंज कसते हुए यह भी कहा था कि जब कोई आम नागरिक अपनी शिकायत लेकर जाता है, तब प्रशासन की ऐसी तत्परता और फुर्ती शायद ही कभी देखने को मिलती है।

खातों को आंशिक तौर पर खोलने के साथ ही कोर्ट ने पैसे निकालने के लिए बेहद सख्त शर्तें लागू की थीं। आदेश के मुताबिक, पार्टी किसी भी अन्य काम के लिए पैसे की निकासी नहीं कर सकती थी। बैंक में चेक जमा करने से पहले उस पर टीएमसी के दो अधिकृत पदाधिकारियों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य किया गया था। इतना ही नहीं, पदाधिकारियों के साइन के बाद उस चेक पर अदालत द्वारा नियुक्त किए गए स्पेशल ऑफिसर (रिटायर्ड जज) के काउंटर-सिग्नेचर के बिना बैंक से एक भी रुपया नहीं निकाला जा सकता था। हालांकि, अब ईडी के एक्शन और नई बेंच के फैसले के बाद पार्टी के लिए इन फंड्स का इस्तेमाल करना असंभव हो गया है।

1109 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर के कई ठिकानों पर छापेमारी

भुवनेश्वर,(आरएनएस)। 1109 करोड़ रुपये के कथित बैंक ऋण घोटाले की जांच में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ा कदम उठाते हुए गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की है। भुवनेश्वर की विशेष सीबीआई अदालत से मिले तलाशी वारंट के आधार पर ओडिशा, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और झारखंड में कार्रवाई की गई। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए हैं। सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर बैंकों से अधिक ऋण प्राप्त करने के लिए वित्तीय आंकड़ों और स्टॉक वैल्यू को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का आरोप है। जांच एजेंसी का कहना है कि कथित तौर पर गलत वित्तीय जानकारी के आधार पर ऋण सीमा बढ़वाई गई और बाद में ऋण राशि का दुरुपयोग करते हुए उसे अन्य खातों एवं उद्देश्यों में स्थानांतरित किया गया, जिससे बैंकों को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। छापेमारी के दौरान भुवनेश्वर में कंपनी के चार निदेशकों के आवास, कोलकाता स्थित पंजीकृत कार्यालय, उत्तराखंड के काशीपुर, तमिलनाडु के तिरुवल्लूर तथा भुवनेश्वर स्थित उत्पादन इकाइयों की तलाशी ली गई।

मध्य प्रदेश के छतरपुर ज़िले में कुपी गाँव के पास बराना नदी के किनारे केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के ख़िलाफ़ प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मी आदिवासी अधिकार कार्यकर्ताओं और प्रदर्शनकारियों से बातचीत करते हुए। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना और अन्य विकास परियोजनाओं के ख़िलाफ़ 15 दिनों तक चला विरोध प्रदर्शन रविवार को पुलिस द्वारा प्रदर्शन स्थल को खाली कराए जाने के बाद समाप्त हो गया।

बच्चों ने शिक्षा के जायज सवाल उठाए, तो जवाब में मिली लाठी और हिरासत - राहुल गांधी

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को जंतर-मंतर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान उग्र प्रदर्शनकारियों व दिल्ली पुलिस सहित अन्य सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़प की निंदा की है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हो रहे गंभीर मुद्दों को लेकर जायज सवाल उठाने वाले छात्रों को जवाब में केवल लाठियां और हिरासत मिली। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी एक वीडियो संदेश में तीखा हमला बोला। उन्होंने प्रधानमंत्री को भारत के इतिहास का सबसे युवा-विरोधी प्रधानमंत्री बताया। राहुल गांधी ने कहा, इतने युवा-विरोधी कि एक नाकाम शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी नहीं ले सकते।

राहुल गांधी ने पेपर लीक की घटनाओं का आंकड़ा देते हुए कहा कि देश में अब तक 152 पेपर लीक हो चुके हैं, जिनसे करीब 7.5 करोड़ छात्र-छात्राएं प्रभावित हुए हैं। इसके बावजूद किसी दोषी को सजा नहीं मिली। उल्टा मेहनती युवाओं को सजा दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले अपराधी आजाद घूम रहे हैं, जबकि वाजिब मुद्दे उठाने वाले छात्रों को घसीटा जा रहा है,

मुझ पर कंडोम फेंके... यौन उत्पीड़न और मारपीट की, ट्रेनी आईपीएस अधिकारी पर महिला अधिकारी के गंभीर आरोप

हैदराबाद ,(आरएनएस)। हैदराबाद के शिवरामपल्ली स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल नेशनल पुलिस अकादमी में एक महिला ट्रेनी अधिकारी की शिकायत पर अत्तापुर पुलिस ने एक ट्रेनी आईपीएस अधिकारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महिला अधिकारी ने आरोपी पर यौन उत्पीड़न, मारपीट, ब्लैकमेल और जान से मारने की धमकी देने सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी की पहचान उदय कृष्णा रेड्डी के रूप में हुई है।

शिकायत के मुताबिक, कथित घटनाएं जून के अंतिम सप्ताह से शुरू हुईं और कई सप्ताह तक जारी रहीं। महिला अधिकारी का आरोप है कि आरोपी ने उसे अश्लील और आपत्तिजनक संदेश भेजे तथा साथी प्रशिक्षु अधिकारियों के सामने उसके बारे में अपमानजनक टिप्पणियां कीं।

महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके साथ शारीरिक और यौन उत्पीड़न किया। साथ ही उसकी अनुमति के बिना एक निजी वीडियो रिकॉर्ड कर उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की और वह वीडियो उसके पति को भेज दिया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी ने उसकी छवि खराब करने के उद्देश्य से उसके बारे में झूठी और अपमानजनक बातें भी फैलाईं।

पीड़िता के अनुसार, 9 जुलाई की रात आरोपी ने उसे जबरन रोका, अपने कमरे में ले गया, उसके बाल खींचे, गला घोंटने की कोशिश की और गर्दन पर चाकू रखकर उसे बाहर जाने से रोका।

राज्यसभा के नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। राज्यसभा के सभापति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन राज्यसभा कक्ष में नौ नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ तथा प्रतिज्ञान दिलाया। शपथ लेने वाले सदस्यों में डॉ. मुकेशभाई जे. राठवा, श्री पवन खेड़ा, श्री महेश केवट, श्री जेम्स पंगसांग कोंगकल संगमा, श्री खियांग्ते लालट्लुआंगकिमा, डॉ. सतीश पूनिया, श्री प्रकाश चिक बड़ाईक, सुश्री सुष्मिता देव तथा श्री सुखेंदु शेखर रे शामिल हैं। राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, शपथ ग्रहण समारोह के दौरान पांच सदस्यों ने हिन्दी, दो सदस्यों ने अंग्रेजी तथा दो सदस्यों ने बंगाली भाषा में शपथ/प्रतिज्ञान लिया। नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों में तीन सदस्य पश्चिम बंगाल से हैं, जबकि गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और राजस्थान से एक-एक सदस्य राज्यसभा पहुंचे हैं।

गुवाहाटी के खारघुली इलाके में पहाड़ी का एक हिस्सा ढहने के बाद, भूस्खलन से आई मलबा सड़क पर फैल गया और दोपहिया वाहनों को नुकसान पहुँचा।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी ज़िले में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ से एक नदी उफान पर है।

जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद सोनम वांगचुक ने खत्म किया अनशन, रखीं ये 3 बड़ी मांगें

नई दिल्ली (आरएनएस)। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर 28 जून से लगातार भूख हड़ताल पर बैठे मशहूर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने आखिरकार अपना अनशन समाप्त कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्क) के प्रतिनिधियों और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के बीच हुई एक अहम बैठक के बाद यह बड़ा कदम उठाया गया है। वांगचुक के साथ इस लंबे अनशन में आइसा (ढ्ढस्) के तीन सदस्य समेत कई अन्य लोग भी डटे हुए थे। सीजेपी नेताओं का कहना है कि सरकार की तरफ से बातचीत की सकारात्मक पहल होने के बाद ही अनशन को खत्म करने का यह फैसला लिया गया है। इस आंदोलन और अनशन के खत्म होने की पटकथा एक दिन पहले ही लिखी जा चुकी थी। दरअसल, रविवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो ने स्पष्ट कर दिया था कि अगर राजनीतिक दल संसद के आगामी मानसून सत्र में शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही का मुद्दा प्रमुखता से उठाने का भरोसा दिलाते हैं, तो वांगचुक अपनी भूख हड़ताल खत्म कर देंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया था कि वांगचुक की दिली ख्वाहिश है कि उनका %चलो संसद' मार्च पूरी तरह से शांतिपूर्ण तरीके से आगे बढ़े।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने तस्वीर साझा कर दी पूरी जानकारी सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच सुलह की इस कोशिश पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स' पर सीजेपी नेताओं (सौरव दास और आशुतोष रांका) के साथ हुई मुलाकात की तस्वीर साझा की। नड्डा ने लिखा कि सोमवार सुबह प्रदर्शनकारियों की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव आया था, जिसके बाद 11:50 बजे से ही उनके साथ बेहद सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत शुरू हुई। पहले प्रतिनिधिमंडल के साथ विस्तार से मौखिक चर्चा की गई और फिर शाम करीब 4 बजे उन्होंने अपनी मांगों की लिखित याचिका सरकार को सौंपी। सीजेपी की तरफ से सरकार और जेपी नड्डा के सामने तीन प्रमुख और बड़ी मांगें रखी गई हैं। इनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का तुरंत प्रभाव से इस्तीफा, आत्महत्या करने वाले छात्रों के पीड़ित परिजनों को उचित मुआवजा और सोनम वांगचुक की तत्काल रिहाई की मांग शामिल है। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि केंद्रीय मंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया है

रियलिटी शो लॉकअप 2 के जजमेंट डे पर तब बड़ा हंगामा खड़ा हो गया, जब होस्ट फराह खान ने कंटेस्टेंट्स के सामने श्रेया कालरा और शिल्पा शिंदे का असली चेहरा बेनकाब कर दिया। फराह खान ने खुलासा किया कि शिल्पा और श्रेया पीठ पीछे मिलकर शिवांगी जोशी के खिलाफ काफी जहर उगलते हैं। इस बड़े खुलासे के बाद से ही शिवांगी जोशी का गुस्सा श्रेया पर फूटा हुआ है।

इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया- संजीदा शेख

अभिनेत्री संजीदा शेख इन दिनों अपनी फिल्म धमाल-4 और इक्का की रिलीज का लुत्फ उठा रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि अलग-अलग समय पर बनी फिल्में एक ही दिन रिलीज हो जाएंगी। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने इस खास पल को अनोखा बताया। अभिनेत्री संजीदा शेख ने शब्दों से खेलते हुए लिखा, इस हफ्ते ने ऐसा इक्का चलाया कि धमाल ही मच गया। क्या शानदार और यादगार हफ्ता रहा। किस्मत भी कभी-कभी बहुत खूबसूरत तरीके से चीजों को जोड़ देती है। अलग-अलग समय पर शूट की गई धमाल 4 और इक्का एक ही दिन रिलीज होंगी, ऐसा मैंने कभी नहीं सोचा था। अभी भी इस एहसास को महसूस कर रही हूं। दर्शकों द्वारा मिले प्यार, खुशी और सम्मान के लिए मेरे पास शब्द नहीं है। मैं अभी इस प्यार को पूरी तरह महसूस करने की कोशिश कर रही हूं। आप सभी के प्यार और हौसला बढ़ाने के लिए दिल से धन्यवाद। आपका प्यार मुझे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। शुक्रिया। फिल्म धमाल-4 में संजीदा शेख अहम भूमिका में नजर आ रही हैं। फिल्म में वह अरशद वारसी

(आदि) और जावेद जाफरी (मानव) की जोड़ी वाली तीसरी टोली का हिस्सा हैं, जहां वह भाभी (आदि की पत्नी) का किरदार निभा रही हैं।

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद और ईशा गुप्ता जैसे कलाकार नजर आ रहे हैं। नेटफ्लिक्स की फिल्म इक्का एक हाई स्टेक्स लीगल थ्रिलर में संजीदा शेख ने गौरी (शौर्यमान की पत्नी) की भूमिका निभाई है। फिल्म में उनके किरदार को कहानी के अनुसार अहम, लेकिन सीमित स्क्रीन स्पेस वाला बताया गया है।

धमाल-4 और इक्का दोनों ही फिल्में 10 जुलाई को दुनियाभर में रिलीज हुईं। कॉमेडी ड्रामा थिएटर में आई, जबकि एक्शन थ्रिलर का प्रीमियर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर हुआ।

मैं जीते जी मरना नहीं चाहता, 'बंटवारा' का दूसरा टीजर रिलीज; अब एक्शन अंदाज में दिखे सनी देओल

सनी देओल, प्रीति जिंटा और शबाना आजमी स्टारर फिल्म बंटवारा 1947 का दूसरा टीजर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। टीजर की शुरुआत कई इमोशनल सीन्स के साथ होती है, जहां आम लोगों के साथ मारपीट, आगजनी और अत्याचार देखने को मिलता है। शुरुआती सीन्स में प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी के किरदार नजर आते हैं, जो इन अत्याचारों से मायूस दिखाई देते हैं।

वहीं, अगले सीन में सनी देओल का दमदार डायलॉग सुनाई देता है, जो इस टीजर के इमोशन ही बदल देता है। सनी कहते हैं- 'डर रहा है इंसान, मर रहा है इंसान, और मैंज्जीते जी मरना नहीं चाहता। मैं जिंदा हूं और जिंदा होने का सबूत दूंगा।'

राम कपूर को पसंद करने की खबरों पर माधुरी ग्रोवर ने दी सफाई, बोलीं- हमारे बीच खास रिश्ता, घंटों होती थी बातचीत

रियलिटी शो लॉक अप- सच या सजा में अभिनेत्री माधुरी ग्रोवर और अभिनेता राम कपूर के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली, जिसके बाद कुछ लोगों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया कि शायद माधुरी राम कपूर को पसंद करने लगी हैं। अब शो से बाहर आने के बाद माधुरी ने इन सभी चर्चाओं पर खुलकर बात की है और कहा कि उनके और राम कपूर के बीच सिर्फ एक खास दोस्ती थी, जिसमें लंबी बातचीत, सीखने और एक-दूसरे को समझने का रिश्ता शामिल था। माधुरी ग्रोवर ने राम कपूर को लेकर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इन बातों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसी चर्चाएं सिर्फ गलतफहमी की वजह से शुरू हुईं। हम दोनों के बीच एक बहुत अच्छा और अलग तरह का जुड़ाव था। शो के दौरान मैं राम कपूर से इंडस्ट्री, जिंदगी और उनके अनुभवों को लेकर लगातार सवाल पूछा करती थीं। माधुरी ने कहा, राम कपूर और मेरा बहुत अच्छा और खास बॉन्ड था। हमारे बेड एक-दूसरे के सामने थे, इसलिए बातचीत का मौका ज्यादा मिलता था। मैं सबसे ज्यादा सवाल पूछने वाली इंसान थी। मैं उनसे इंडस्ट्री, जिंदगी और कई चीजों को लेकर बहुत सारे सवाल करती थी और

वह हर सवाल का धैर्य से जवाब देते थे।

उन्होंने कहा, दर्शकों ने शो में हमारी बातचीत का सिर्फ एक छोटा हिस्सा देखा, जबकि असल में हम दोनों के बीच कई घंटे तक लंबी बातें होती थीं। राम कपूर ने हमेशा मेरी बातों को ध्यान से सुना और हर सवाल का जवाब देने की कोशिश की।

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की धमाकेदार एंट्री, पराक टीज़र ने पूरे देश में मचाई हलचल

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पराक का आधिकारिक टीज़र रिलीज होते ही पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर गया। बघीरा के बाद यह उनकी अगली बड़ी फिल्म है, और टीज़र ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दर्शक फिल्म के भव्य स्तर, दमदार एक्शन और श्रीमुरली के शानदार बदलाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होने वाली है, जिससे श्रीमुरली का दमदार अंदाज हर दर्शक तक पहुंचेगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारों में गिने जाने वाले श्रीमुरली ने अपनी पहचान मेहनत, निरंतरता और प्रभावशाली अभिनय से बनाई है। उनकी सुपरहिट फिल्म उग्रम ने कन्नड़ एक्शन सिनेमा को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री के भरोसेमंद एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। मुफ़्ती, भराटे और बघीरा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बार-बार साबित किया है। पराक के टीज़र में श्रीमुरली एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। दमदार फिटनेस, रफ लुक और गहरी स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह पहले से कहीं अधिक सशक्त और आकर्षक दिख रहे हैं। उनका यह शारीरिक परिवर्तन और ऊर्जावान एक्शन दृश्य टीज़र की सबसे बड़ी खासियत बन गए हैं, जिसकी दर्शक खुलकर सराहना कर रहे हैं। निर्देशक हलेश कोगुंडी कहते हैं, बचपन से ही मुझे एक्शन फिल्मों का बहुत शौक रहा है। मैड मैक्स जैसी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया कि अगर मैं फिल्म निर्माता बनूं, तो एक्शन फिल्में ही बनाऊं। मेरे लिए एक्शन सिर्फ लड़ाई या दृश्य प्रदर्शन नहीं है, यह कहानी कहने का माध्यम भी है। मैं मानवीय भावनाओं, आंतरिक संघर्षों और अपने अनुभवों को दिखाना चाहता हूं। यह एक पात्र केंद्रित कहानी है, जहां हर एक्शन दृश्य पात्रों के निर्णय और उनकी भावनात्मक यात्रा से स्वाभाविक रूप से जुड़ा है। यह फिल्म एक एक्शन सस्पेंस थ्रिलर है, जिसमें जबरदस्त एक्शन के साथ मजबूत किरदारों की कहानी भी देखने को मिलेगी। टीज़र फिल्म की दुनिया की एक झलक पेश करता है, जिसमें शानदार दृश्य, रोमांच से भरपूर एक्शन और दिलचस्प कहानी की झलक मिलती है।

यूटीआई मिड कैप फंड बाजार के सबसे बेहतर विकास अवसरों का लाभ उठाने का माध्यम

मुंबई- जैविक जीवन चक्र के विपरीत कंपनियों का विकास एक समान गति से नहीं होता। वे भी अपने कारोबार के दौरान तेज़ वृद्धि और परिपक्वता ;सैचुरेशनद्ध के विभिन्न चरणों से गुजरती हैं। मिड कैप कंपनियां आमतौर पर कारोबार के उस महत्वपूर्ण चरण का प्रतिनिधित्व करती हैंए जहां वे शुरुआती चुनौतियोंकृजैसे शुरुआती पूंजी जुटाना और प्रारंभिक विकास की बाधाओंकृको सफ्लतापूर्वक पार कर चुकी होती हैं।

साथ हीए इनमें आगे भी तेज़ी से बढ़ने की पर्याप्त क्षमता बनी रहती है। इन कंपनियों के पास मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त होती हैए लेकिन वे इतनी बड़ी भी नहीं होतीं कि उनकी विकास दर धीमी पड़ जाए। इसलिए मिड कैप कंपनियां तेजी से बढ़ती स्मॉल कैप कंपनियों और स्थिर लार्ज कैप कंपनियों के बीच एक आकर्षक संतुलन प्रदान करती हैं।

मिड कैप शेयर वे होते हैंए जिनका बाजार पूंजीकरण ;मार्केट कैपिटलाइजेशनद्ध लार्ज कैप और स्मॉल कैप कंपनियों के बीच आता है। सेबी ;ैम्ठप्द्ध की परिभाषा के अनुसारए पूर्ण बाजार पूंजीकरण के आधार पर 101वें से 250वें स्थान तक की कंपनियां मिड कैप श्रेणी में आती हैं। मिड कैप फ्ंड एक ऐसा म्यूचुअल फ्ंड हैए जिसमें कुल निवेश का कम.से.कम 65 प्रतिशत हिस्सा मिड कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से जुड़े साधनों में लगाया जाता है। मिड कैप कंपनियों में निवेश करने वाले फ्ंड निवेशकों को मध्यम आकार की कंपनियों की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर देते हैं। हालांकिए निवेशकों को यह भी समझना चाहिए कि मिड कैप फ्ंडों में जोखिम और रिटर्नकृदोनों की संभावना सामान्य विविधीकृत ग्रोथ फ्ंडों की तुलना में अधिक होती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय लंबी अवधि का दृष्टिकोण और जोखिम सहने की क्षमता आवश्यक है।

यूटीआई मिड कैप फ्ंड एक ओपन.एंडेड इक्विटी योजना हैए जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों में निवेश करती है। फ्ंड का उद्देश्य ऐसी कंपनियों में निवेश करना है जिनका बिजनेस मॉडल विस्तार योग्य ;ेबंसंइसमद्ध हो और जिनके सामने लंबे समय तक विकास की संभावनाएं मौजूद हों। इसके अलावाए फ्ंड उन अच्छी कंपनियों में भी निवेश करने के लिए तैयार रहता हैए जिनका कारोबार अस्थायी कमजोरी के दौर से गुजर रहा हो या जो बदलाव की प्रक्रिया में हों। फ्ंड पूरी तरह बॉटम.अप निवेश रणनीति अपनाता है। इसके तहत मजबूत वित्तीय स्थिति वालीए स्वस्थ लाभ मार्जिन बनाए रखने की क्षमता रखने वाली और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की संभावना वाली कंपनियों का चयन किया जाता है। फ्ंड का पोर्टफोलियो भी अच्छी तरह विविधीकृत हैए जिसमें लगभग 91 कंपनियों के शेयर शामिल हैं। ये विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यूटीआई मिड कैप फ्ंड की शुरुआत 7 अप्रैल 2004 को हुई थी। 30 जून 2026 तक इस फंड का कुल प्रबंधनाधीन कोष ;।न्डद्ध 12ए122 करोड़ रुपये से अधिक था।

एरोबिक्स बनाम जैजर्साइज- दोनों में से कौन-सी एक्सरसाइज है ज्यादा लाभदायक

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही ऐसी एक्सरसाइज हैं, जो शरीर को फिट रखने में मदद करती हैं। जहां एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल हैं, वहीं जैजर्साइज में नाच-गाने का भी तत्व होता है। दोनों का अपना अलग-अलग महत्व और फायदे हैं। इस लेख में हम इनके बीच के अंतर और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की तुलना करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि आपके लिए कौन सी एक्सरसाइज बेहतर है।

एरोबिक्स क्या है?

एरोबिक्स एक ऐसी एक्सरसाइज है, जिसमें तेज गति वाले व्यायाम शामिल होते हैं। यह सांस लेने की प्रणाली को बेहतर बनाने और शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

एरोबिक्स में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना आदि शामिल होते हैं। यह आपके दिल और फेफड़ों को मजबूत बनाता है, जिससे खून का संचार बेहतर होता है।

इसके अलावा यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में भी मदद करता है।

जैजर्साइज क्या है?

जैजर्साइज एक नाच-गाने पर

आधारित एक्सरसाइज है, जिसमें विभिन्न प्रकार के संगीत और डांस स्टेप्स शामिल होते हैं।

यह न केवल आपके दिल की धड़कन को बढ़ाता है बल्कि आपको मजेदार तरीके से फिट रखने में मदद करता है।

जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है। यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

दोनों एक्सरसाइज का अंतर

एरोबिक्स और जैजर्साइज दोनों ही व्यायाम हैं, लेकिन इनके तरीके अलग हैं। एरोबिक्स में पारंपरिक व्यायाम शामिल होते हैं, जबकि जैजर्साइज में नाच-गाने का तत्व होता है।

एरोबिक्स के लिए किसी विशेष उपकरण की आवश्यकता नहीं होती, जबकि जैजर्साइज में कभी-कभी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जा सकता है। दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

स्वास्थ्य पर प्रभाव

दोनों ही एक्सरसाइज का सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। एरोबिक्स करने से दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है।

यह वजन कम करने और मांसपेशियों को मजबूत करने में मदद करता है। जैजर्साइज करने से तनाव कम होता है और मानसिक सेहत बेहतर होती है।

यह शरीर की लचीलापन को बढ़ाता है और कैलोरी बर्न करने में भी मदद करता है।

इन दोनों में से किसे चुनें?

अब सवाल उठता है कि इन दोनों में से किसे चुनना चाहिए?

अगर आप पारंपरिक व्यायाम पसंद करते हैं तो एरोबिक्स बेहतर विकल्प हो सकता है, वहीं अगर आप मजेदार तरीके से फिट रहना चाहते हैं तो जैजर्साइज आजमा सकते हैं।

यह आपकी व्यक्तिगत रुचि और जरूरतों पर निर्भर करता है कि आप कौन-सी एक्सरसाइज चुनें। दोनों का उद्देश्य शरीर को फिट रखना है, लेकिन इनके तरीके अलग-अलग हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा बन सकती हैं ये चीजें, मानसून के दौरान इनसे रहें दूर

मानसून का मौसम कई बीमारियों का कारण बन सकता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं के लिए यह और भी ज्यादा खतरनाक है। इसका कारण है कि मानसून के दौरान होने वाली बीमारियां गर्भवती महिलाओं और उनके होने वाले बच्चे के लिए गंभीर खतरा बन सकती हैं। आइए आज हम आपको ऐसी चीजों के बारे में बताते हैं, जिनसे गर्भवती महिलाओं को मानसून के दौरान दूरी बनाकर रखनी चाहिए, ताकि वे सुरक्षित रहें।

तैराकी

मानसून में तैराकी करने से बचना चाहिए, क्योंकि तालाबों या स्विमिंग पूल में मौजूद कीटाणु पेट के संक्रमण से लेकर डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों तक का कारण बन सकते हैं।

ये बीमारियां गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत गंभीर हो सकती हैं। खासकर, अगर इनकी वजह से अस्पताल जाने की जरूरत पड़े तो यह गर्भवती महिला और उसके बच्चे के लिए बहुत खतरनाक हो सकता है।

इसलिए, तैराकी से दूरी बनाए रखना बेहतर है।

ठंडा पेय और आइसक्रीम

मानसून के दौरान ठंडा पेय और आइसक्रीम का सेवन भी गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है।

इसका कारण है कि मानसून में इन पेय और खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो पेट के संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

ये खाद्य पदार्थ काफी ठंडे भी होते हैं और बारिश के कारण भी मौसम ठंडा हो जाता है। ऐसे में इनके सेवन से गर्भवती महिलाओं के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ सकता है।

नंगे पैर चलना

मानसून में सड़क पर नंगे पैर चलना भी गलती है, फिर चाहे आप किसी भी स्टेज पर गर्भवती क्यों न हों। इसका कारण है कि मानसून में सड़कें गीली रहती हैं और इस कारण इनमें मौजूद कीटाणु आपको बीमार कर सकते हैं।

यही नहीं, गीली सड़कें फिसलन वाली भी होती हैं, जिससे गिरकर चोट लगने का खतरा भी रहता है। इसलिए, हमेशा जूते या चप्पल पहनकर ही बाहर निकलना चाहिए।

खुली चीजें खाना

मानसून में खुली चीजें खाना भी सही नहीं है। इसका कारण है कि खुली चीजें जल्दी खराब हो जाती हैं और इनका सेवन आपको बीमार कर सकता है। इसलिए, गर्भवती महिलाएं खुली चीजें खाने से बचें। अगर किसी कारण से खुली चीजें खानी भी पड़ जाए तो इनसे होने वाली बीमारियों से बचने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं और डॉक्टर से संपर्क करें। सुरक्षित और ताजा भोजन का ही सेवन करें।

शब्द सामर्थ्य -104

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8	9		■	10	11		■	
■		■	■	■		■	■	■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17			■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■	■	■		■	23	
24		■	■	25				■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 103 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
या	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	शि	■
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना माढ़ोताल में अजीत केवट उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम औरिया केवट मोहल्ला ने लिखित शिकायत की कि वह वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हुआ है किसी अज्ञात व्यक्ति ने आनलाईन डर या चोट पहुँचाने की धमकी देकर धोखा देते हुये उसके 29 हजार 999 रूपये हड़प लिये हैं। शिकायत जांच पर अजीत केवट के कथन लेख किये गये जिसने अपने कथन में बताया कि सुबह लगभग 11 बजे विजयनगर सेंट्रल बैंक आया था कि पैसा आया कि नहीं उसके भाई आशीष केवट का एक्सीडेंट से मृत्यु के 4 लाख रूपये आया था

स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को लेकर सख्त हुआ नगर निगम, 24 से 30 जुलाई तक चलेगा विशेष चालानी कार्रवाई सप्ताह, महापौर और निगमायुक्त के निर्देश

स्वच्छता में उत्कृष्टता के लिए शहर में शुरु हुई स्वच्छ वार्ड रैंकिंग स्पर्धा 23 जुलाई से 5 अप्रैल तक होगा मूल्यांकन

न्यू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026, निगमायुक्त की अध्यक्षता में होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज गार्डन संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के निर्देशानुसार शहर में स्वच्छ भारत मिशन और स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत शहर को स्वच्छता के मामले में और अधिक उन्नत बनाने के लिए स्वच्छ वार्ड रेंकिंग स्पर्धा का औपचारिक शुभारंभ कर दिया गया है। इस स्पर्धा के अंतर्गत 23 जुलाई से 5 अप्रैल तक शहर के सभी वार्डों का कड़े मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार द्वारा पांच सदस्यीय मूल्यांकन समिति का गठन किया है जिसमे अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री स्तर के अधिकारी सम्मिलित हैं, इस संबंध में नगर निगम प्रशासन ने सभी संभागीय अधिकारियों, सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षकों को अपने-अपने संभाग के अंतर्गत आने वाले वार्डों में मानकों के अनुसार सभी तैयारियां समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गठित वार्ड एवं जिला स्तरीय निर्णायक मंडल समिति द्वारा वार्डों का मूल्यांकन 10 प्रमुख बिंदुओं कुल 100 अंक के आधार पर किया जाएगा। जिसमें वार्ड के प्रत्येक घर और परिसर से गीले, सूखे और घरेलू हानिकारक कचरे का पृथक्करण कर घर-घर जाकर संग्रहण। समस्त रहवासी कल्याण संघों, आवासीय परिसरों, समुदायों और अन्य संस्थाओं द्वारा अपने स्तर पर कचरे का प्रबंधन। वार्ड की सभी सड़कों एवं क्षेत्रों की साफ-सुथरा होना तथा गीले कचरे से खाद का निर्माण। वार्ड में स्थित प्रत्येक दुकान और विक्रेता द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक बैग के उपयोग पर पूरी तरह रोक। वार्ड में खुले में शौच, पेशाब, पालतू जानवरों के मल-मूत्र या कचरे का सर्वथा अभाव। साथ ही, निकाय की विशिष्ट पहचान और विरासत को दर्शाने वाले साइनेज तथा दीवारों और चैराहों पर पेंटिंग द्वारा सौंदर्यीकरण। वार्ड के प्रत्येक सामुदायिक और सार्वजनिक शौचालय का गूगल मैप पर अपडेट होना तथा ओडीएफ प्रोटोकॉल के अनुसार उनका संचालित व उपयोगकर्ता-अनुकूल होना। प्रत्येक सार्वजनिक शौचालय में केयरटेकर की उपस्थिति और श्माई टॉयलेट ऐपश् के माध्यम से उपयोगकर्ताओं से नियमित फीडबैक प्राप्त करना। माह के दौरान कम से कम एक श्जीरो वेस्ट इवेंटश् का सफल आयोजन। स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चैंपियनों के लिए कम से कम एक सम्मान समारोह का आयोजन। माह के दौरान स्कूल, रहवासी कल्याण संघ, बाजार संघ, होटल, सरकारी संस्थान, अस्पताल आदि में से कम से कम 2 संस्थानों के बीच स्वच्छ रैंकिंग स्पर्धा का आयोजन। निगमायुक्त श्री अहिरवार के समक्ष प्रस्तुत होने वाली इस मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वार्डों को सम्मानित किया जाएगा। नगर निगम प्रशासन ने शहर के सभी नागरिकों, व्यापारियों, संस्थाओं और आरडब्ल्यूए से अपील की है कि वे इस स्वच्छता स्पर्धा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने वार्ड को शहर में अव्वल बनाने में अपना सहयोग दें।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के सख्त अनुपालन के तहत नगर निगम द्वारा शहर में व्यापक चालानी कार्रवाई सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के दिशा-निर्देशों के अनुसार यह विशेष अभियान आगामी 24 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक शहर के सभी 16 संभागों में एक साथ चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करना, पर्यावरण को संरक्षित करना और नियमों की अनदेखी करने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई करना है। चालानी कार्रवाई सप्ताह के दौरान विशेष निगरानी रखते हुए मौके पर अर्थदंड की कार्रवाई की जाएगी। जिसमें प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक कैरी बैग और सामग्री का उपयोग, भंडारण व विक्रय करने पर। घरों, दुकानों या व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कचरा सीधे सड़कों, खुले प्लॉटों या सार्वजनिक स्थानों पर फेंकने पर। बिना ढंके या अनधिकृत रूप से सड़क और सार्वजनिक भूमि पर निर्माण सामग्री रखने पर। सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार की गंदगी या कचरा फैलाते पाए जाने पर। नालों या जल स्त्रोतों में कचरा और ठोस अपशिष्ट प्रवाहित करनेध्फेंकने पर। नियमों के विरुद्ध खुले में मांस और मछली का विक्रय करने वाले दुकानदारों पर। कचरे, पत्तियों या प्लास्टिक को खुले में जलाकर पर्यावरण को प्रदूषित करने पर। सार्वजनिक मार्गों और जमीनों पर अवैध कब्जा व अतिक्रमण करने पर।निगमायुक्त की दो टूक, नियमों का पालन शहर हित में अनिवार्य

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने स्पष्ट किया है कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी संभागीय अधिकारियों, स्वास्थ्य अधिकारियों और निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। नगर निगम प्रशासन ने शहर के सभी नागरिकों, दुकानदारों, होटल संचालकों और व्यापारिक संघों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें, कचरे का उचित निपटान करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद कर जबलपुर को स्वच्छ बनाने में निगम का सहयोग करें। निर्धारित समयावधि के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वालों पर बिना किसी ढील के सख्त चालानी कार्रवाई की जाएगी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा पर्यावरण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 और माननीय सर्वोच्च न्यायालय के सख्त निर्देशों के परिपालन में आज नगर निगम जबलपुर के सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शहर के सभी प्रमुख होटल, रेस्टोरेंट, मैरिज गार्डन संचालकों के साथ-साथ सभी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी और मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाले संस्थानों को नए नियमों के प्रति जागरूक करना और शहर में वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन प्रणाली को सख्ती से लागू करना था। बैठक के दौरान नगर निगम के विशेषज्ञों द्वारा एक विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उपस्थित सभी होटल, रेस्टोरेंट और मैरिज गार्डन संचालकों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रावधानों की बारीकियों से अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन भारी मात्रा में कचरा उत्पन्न करने वाले वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को अपने परिसर में ही कचरे का प्राथमिक पृथक्करण गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करना अनिवार्य है। बड़े होटलों, मैरिज गार्डनों और रेस्टोरेंटों को अपने यहां निकलने वाले गीले कचरे के निष्पादन के लिए ऑन-साइट कम्पोस्टिंग या बायो-मिथेनेशन प्लांट स्थापित करने के निर्देश दिए गए। किसी भी संस्थान द्वारा सड़क, खुले प्लॉट या नालियों में कचरा या बचा हुआ खाद्य अपशिष्ट न फेंके जाने की सख्त हिदायत दी गई। जिन संस्थानों के पास ऑन-साइट प्रोसेसिंग की जगह उपलब्ध नहीं है, उन्हें निगम द्वारा अधिकृत कचरा संग्रह एजेंसियों या प्रोसेसिंग इकाइयों के साथ अनिवार्य रूप से अनुबंध करना होगा।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने बैठक को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए बल्क वेस्ट जनरेटरों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी होटल, मैरिज गार्डन और रेस्टोरेंट संचालक तत्काल प्रभाव से अपने परिसरों में नियमों के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। नगर निगम प्रशासन ने शहर के सभी व्यावसायिक संगठनों से अपील की है कि वे स्वच्छता के इस राष्ट्रीय अभियान में सहयोग करें और जबलपुर को देश का स्वच्छ और अग्रणीय शहर बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

महावीर चिल्ड्रन एकेडमी सराफा में बच्चों ने किया बृहद पौधारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प को साकार करते हुए महावीर चिल्ड्रन एकेडमी, सराफा में विद्यार्थियों द्वारा बृहद वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। उत्साह और उमंग से परिपूर्ण इस अभियान में बच्चों ने बड़ी संख्या में पौधारोपण कर प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का प्रेरणादायी परिचय दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नितिन जैन, डायरेक्टर श्रीमती मिश्री जैन, श्री दर्शित जैन एवं श्रीमती मौली जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का सफल आयोजन विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या श्रीमती शिवा दुबे के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यालय की शिक्षिकाओं में मिनी जैन, मधुलिका, मुस्कान, लीना बेन, खुशी, सौभाग्या, मंजू, मीता, खुशबू एवं अनुराधा तथा विद्यार्थियों में शिवांश, प्रिंस, काव्या, प्रशा जायसवाल, पूजा, श्रद्धा, उत्कृष्ट एवं पारस आदि की उपस्थिति रही। विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों के बारे में जागरूक किया गया। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया। विद्यालय परिवार ने इस अवसर पर संदेश दिया कि 卐आज लगाया गया एक पौधा, आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित भविष्य का आधार है।卐 विद्यालय द्वारा समय-समय पर ऐसे जनजागरूकता एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

कांग्रेसियों ने किया भव्य स्वागत -आज जबलपुर पधारे को पूर्व कैबिनेट मंत्री जयवर्धन सिंह जी का मेडिकल चोराहे पर युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राकेश सैनी जी की उपस्थिति मै कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष संजय यादव का निधन

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष अग्रज श्री संजय यादव जी का हृदयाघात हो जाने से भोपाल में आकस्मिक निधन हो गया है. संजय यादव जी वरिष्ठ भाजपा नेत्री श्रीमती रजनी यादव के अनुज एवं युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष श्री विवेक यादव जी के अग्रज भ्राता थे अंतिम यात्रा आज बुधवार 22 जुलाई को शाम 5 उनके निज निवास तमरहाई चौक से रानीताल मुक्तिधाम रवाना होंगी श्री यादव के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह सांसद आशीष दुबे राज्यसभा सांसद सुमित्रा वाल्मीकी प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल सह प्रभारी श्रीकान्त साहू नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ग्रामीण अध्यक्ष राजकुमार पटेल विधायक अजय विश्नोई अशोक रोहाणी अभिलाष पांडे सुशील तिवारी नीरज सिंह संतोष बरकड़े महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन निगम अध्यक्ष रिंकू विज के साथ सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि दी है.

एस.टी.पी. प्लांट पाए गये संचालित एवं संतोषजनक - महापौर

नालों पर लगे हुए एस.टी.पी. प्लांट से फिल्टर होकर मॉं नर्मदा में जा रहा है एकदम साफ पानी - महापौर

जबलपुर पहला शहर जहॉं नालों का पानी फिल्टर होकर मिलता है मॉं नर्मदा में

मॉं नर्मदा में मिलने वाला पानी मापदण्डों पर उतरा खरा और दुरूस्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जीवनदायिनी माँ नर्मदा को प्रदूषण मुक्त रखने के संकल्प के साथ महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा उठाये गए कदम अब धरातल पर एक ऐतिहासिक मिसाल बन चुके हैं। माँ नर्मदा के किनारे नालों पर स्थापित एस.टी.पी. प्लांट का महापौर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया, जहाँ सभी प्लांट्स पूरी तरह संचालित और संतोषजनक स्थिति में पाए गए।

निरीक्षण के दौरान नावघाट और खारी घाट से पानी के सैम्पल लेकर मौके पर ही जाँच की गई। जाँच रिपोर्ट में माँ नर्मदा में मिलने वाला पानी मानकों पर बिल्कुल खरा और दुरुस्त निकला। जबलपुर अब देश का ऐसा पहला शहर बन गया है, जहाँ गंदे नालों के पानी को शत-प्रतिशत फिल्टर करने के बाद ही माँ नर्मदा में प्रवाहित किया जा रहा है। नालों का दूषित जल अब अति-आधुनिक एसटीपी प्लांट की तकनीक से पूरी तरह साफ, निर्मल और सुरक्षित होकर माँ नर्मदा में समाहित हो रहा है।

नावघाट और खारी घाट के पानी का लिया गया सैम्पल, जॉंच भी की गयी नालों पर लगे बॉंकी के एस.टी.पी. के प्लांटों का भी किया जायेगा शीघ्र निरीक्षण - महापौर

महापौर ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट किया है कि शेष बचे अन्य सभी एसटीपी प्लांट्स का भी जल्द ही व्यापक निरीक्षण किया जाएगा। महापौर ने कहा कि माँ नर्मदा केवल एक नदी नहीं, हमारी आस्था और जीवन की आधारशिला हैं। यह गर्व की बात है कि जबलपुर नालों के पानी को पूरी तरह ट्रीट कर नर्मदा जी में प्रवाहित करने वाला पहला शहर बना है। हम इसके जल की निर्मलता और पवित्रता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य एवं जलप्रभारी दामोदर सोनी, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव के साथ अन्य तकनीकि टीम उपस्थित रही।

प्रथम तिमाही में पश्चिम मध्य रेलवे ने रूपये 2399 करोड़ से अधिक का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पश्चिम मध्य रेल में वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप पश्चिम मध्य रेलवे ने चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह में रूपये 2399 करोड़ 17 लाख का कुल प्राम्भिक राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के इसी माह (रूपये 2278 करोड़ 26 लाख) कि तुलना में 5.31 प्रतिशत अधिक है। जिसमें यात्री यातायात से रुपये 685 करोड़ 83 लाख, माल यातायात से रुपये 1586 करोड़ 59 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 50 करोड़ 58 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 76 करोड 18 लाख का रेलवे ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू शामिल है।

यदि मण्डल वाइस बात करे तो तीन माह में जबलपुर मण्डल ने रूपये 1492 करोड़ 90 लाख, भोपाल मण्डल ने 529 करोड़ 33 लाख एवं कोटा मण्डल ने रूपये 376 करोड़ 94 लाख का कुल ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है।

यात्री यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा हैं। साथ ही पमरे से चलने वाली स्पेशल ट्रेनों की संचालन अवधि को विस्तारित भी किया जा रहा हैं। यात्री ट्रेनों में प्रतीक्षा सूची को क्लीयर करने के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए नए प्रायोगिक ठहराव दिए जा रहे हैं। साथ ही प्रायोगिक ठहराव की अवधि को भी बढ़ाया जा रहा हैं।

माल यातायात के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

माल गोदामों में राउण्ड द क्लॉक यानि चौबीस घंटे लोडिंग एवं अनलोडिंग सेवाएँ शुरू की गईं । नए माल गोदामों को विकसित करके उन्नयन कार्य किया जा रहा है। गतिशक्ति कार्गो टर्मिनल/ साइडिंग को बढ़ाने का निरंतर प्रयास किये जा रहे है। व्यवसाय विकास इकाइयां (बीडीयू) के तहत नए ग्राहक को आकर्षित करने के लिए रेलवे द्वारा फ्रेट लोडिंग की प्रोत्साहित योजनाओं के अंतर्गत अनेक छूट और रियायतें दी जा रही हैं।

अन्य कोचिंग एवं विविध आय यानि संड्री रेवेन्यू के लिए निम्नलिखित प्रयास किये जा रहे हैं:-

गैर किराया राजस्व (नॉन फेयर रेवेन्यू) में वृद्धि के लिए नवाचारों और नविन अवधारणाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। नई अभिनव गैर किराया राजस्व विचार योजना (निनफ्रीस) निति के तहत नयी-नयी योजनाओं को लागु किया जा रहा है।

पश्चिम मध्य रेल द्वारा ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू की उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है और आगे भी जारी रखेगा।

जबलपुर में वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक, नगर निगम चुनाव को लेकर हुआ मंथन

पूर्व मंत्री हर्षवर्धन सिंह बोले - कांग्रेस को बूथ स्तर पर मजबूत करना प्राथमिकता

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक हर्षवर्धन सिंह अल्प प्रवास पर जबलपुर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुहम्मद कदीर सोनी के निवास पहुंचकर उनसे सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान शहर कांग्रेस को मजबूत बनाने के संबंध में पार्टी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ नेताओं के साथ विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आगामी वर्ष में होने वाले नगर निगम चुनाव की तैयारियों पर भी गहन मंथन हुआ। इस अवसर पर दिल्ली में हुए आंदोलन के दौरान पुलिस की बर्बर कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की गई। नेताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक आवाज को दबाने की कोशिश कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुहम्मद कदीर सोनी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा, पार्षद गुलाम हुसैन, पार्षद याकूब अंसारी, वकील अंसारी, विवेक अवस्थी, शमीम अंसारी गुड्डू, अकबर खान, सैयद ताहिर अली, चांद कुरैशी, दिलीप साहू, पप्पू वसीम खान, शादाब अंसारी, अशरफ मंसूरी, मुन्ना अग्रवाल, हसीब खान,, गुलाम सैययादेन, इस्लाम सोनी, ज़फ़र अहमद, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना खमरिया में हेमंत रजक उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम मटामर खमरिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह आर्डिनेंस खमरिया में डीबीडब्लु का काम करता है उसका सैलरी खाता एचडीएफसी बैंक शाखा सिविल लाईन में है उसके मोबाइल पर 50 रूपये व 96 हजार रूपये निकलने का मैसेज आया जबकि उक्त राशि उसने नहीं निकाली थी, खाता चैक करने पर उसके खाते से भी 95 हजार रूपये ट्रांसफर हुये हैं, बैंक जाकर खाते की एंट्री कराने पर स्टेटमेंट से पता चला कि उसके मोबाइल को हैक कर उसके खाते से किसी अज्ञात व्यक्ति ने 3 बार में क्रमश'

गोहलपुर पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर चोर, 10 मोटर साइकल, 10 बैटरी बरामद

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में गोहलपुर पुलिस ने शातिर चोर गिरोह के 6 सदस्यों को पकड़ा है. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दस मोटर बाइक व दस बैटरी बरामद की है, जिनकी कीमत 12 लाख रुपए के लगभग बताई जा रही है. पकड़े गए आरोपियों से पुलिस अधिकारियों द्वारा शहर में हुई चोरी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आनंद नगर कालोनी क्षेत्र में चोरी किए गए वाहन में युवक क्षेत्र में घूमते हुए दिखे. खबर मिलते ही पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा और कागजात के संबंध में पूछताछ की, जिसपर आरोपी कागजात नहीं दे पाए. थाना लाकर सख्ती से पूछताछ की तो वाहन चोरी करना स्वीकार किया. पुलिस को पूछताछ में आरोपियों ने शहर से चोरी किए गए दस वाहनों के संबंध में जानकारी दी, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मोटर साइकलें बरामद कर ली. पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक्सेस 125 एमपी 20 एसक्यू 4303 सिल्वर कलर, टीव्हीएस अपाचे एमपी 20 एनई 1981 ब्लैक कलर, होंडा लिवो एमपी 20 एनव्ही ब्लैक कलर,पेशन प्रो एमपी 20 एमके 9265 ब्लैक कलर, स्पलेन्डर प्लस एमपी 20 एनएन 2760 ब्लैक कलर, पल्सर एन एस एमपी 20 जेड जे 9231 ग्रे कलर, स्पलेन्डर एमपी 20 जेड बी 3093 ब्लैक कलर, स्पलेन्डर प्लस एमपी 20 एनएफ 2191 ग्रे ब्लैक कलर, बजाज पल्सर 150 एमपी 20 एमडब्ल्यू 8813 ब्लैक कलर व स्पलेन्डर प्लस एमपी 21 एमए 7459 बरामद की है. पुलिस को पूछताछ में पता चला कि गोहलपुर से 1, थाना ग्वारीघाट से 3, थाना गोरखपुर से 1, थाना मदन महल से 1, थाना अधारताल से 1, थाना ओमती से 1, थाना राँझी से 1 एवं चौकी सिलौड़ी जिला कटनी से 1 वाहन चोरी करना ज्ञात हुआ है.

जबलपुर में जयवर्धन सिंह बोले, युवाओं को यूसीसी नहीं, यूनिफार्म एजुकेशन कोड चाहिए, परीक्षा धांधली पर मोहन सरकार को घेरा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष यश घनघोरिया द्वारा आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम में पूर्व मंत्री व विधायक जयवर्धन सिंह ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि आज देश का युवा अपने अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहा है.

जयवर्धन सिंह ने सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाते हुए जोर दिया कि देश को इस समय यूनीफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) की नहीं, बल्कि यूनिफॉर्म एजुकेशन कोड, समान शिक्षा नीति और समान चिकित्सा नीति की सख्त जरूरत है. इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे. अपने संबोधन के दौरान विधायक जयवर्धन सिंह ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी व प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही धांधलियों को लेकर सरकार को घेरा.

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में सीबीएसई, नीट-पीएससी जैसी परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि एनटीए में ऐसे अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनका ट्रैक रिकॉर्ड मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी विवादित रहा है और पेपर लीक से जुड़ा है.

जयवर्धन सिंह ने परीक्षा प्रणाली के निजीकरण पर चिंता व्यक्त की. उन्होंने पूरी व्यवस्था के चार चरणों, पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्टेशन और एग्जाम सेंटर पर सवाल उठाए. उनके अनुसार, इन चारों चरणों का ठेका और जिम्मेदारी निजी हाथों व दलालों को सौंप दी गई है.

जंतर मंतर में बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में nsui का जबलपुर में विरोध प्रदर्शन

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अर्थी जुलूस निकल की इस्तीफे की माँग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन जबलपुर द्वारा छात्र नेता अनुराग शुक्ला के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं एवं छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज, स्मोक बम के प्रयोग एवं पुलिस की दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को सिविल लाइन स्थित साईं मंदिर चौक से लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के निवास तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अर्थी यात्रा निकालकर प्रतीकात्मक अर्थी दहन किया गया।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया, जिससे हस्ड्ढ कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन का भी प्रयोग किया। इसके बावजूद हस्ड्ढ कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्वक डटे रहे और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हस्ड्ढ ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्रों की आवाज़ को दबाने का प्रयास कर रही है। संगठन ने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज कर सरकार ने लोकतंत्र की मूल भावना को आहत किया है। अनुराग शुक्ला ने कहा कि जंतर-मंतर पर अपने भविष्य और शिक्षा के अधिकार की लड़ाई लड़ रहे छात्रों पर जिस तरह से पुलिस ने लाठीचार्ज किया, स्मोक बम छोड़े और बर्बरता दिखाई, वह बेहद शर्मनाक है। लोकतंत्र में छात्रों की आवाज़ को डंडे के बल पर दबाया नहीं जा सकता। हस्ड्ढ इस दमनकारी कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करती है और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग करती है।

महिला अपनी बहन के साथ निकली अमरनाथ यात्रा पर, सूने घर को देखकर घुसे चोर, ले उड़े लाखों रुपए का माल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर में अधारताल स्थित नर्मदा नगर सुहागी में रहने वाली अन्नपूर्णा के सूने घर का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों रुपए के जेवरों पर हाथ साफ कर दिया. वे अपनी बहन के साथ 14 जुलाई को अमरनाथ यात्रा पर निकली थी, इस दौरान चोरों ने घर हाथ साफ कर दिया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नर्मदा परिसर सुहागी में अन्नपूर्णा पांडेय अकेले ही रहती है, वे अपनी बहन के साथ अमरनाथ यात्रा पर निकली, जाने से पहले उन्होने अपने घर की चाबी पड़ोस में रहने वाले सागर श्रीवास्तव को दे दी थी ताकि घर की देखभाल हो सके. पिछले दिन अज्ञात तत्व मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुसे और आलमारी से सोने, चांदी के जेवर व नगदी रुपए चोरी कर ले गए. बीती शाम सागर घर आया तो देखा कि अन्नपूर्णा पांडेय के घर के मेनगेट में ताला लगा था. अंदर के दरवाजे का ताला टूटा पड़ा, अंदर सेंट्रल टेबल की ड्राज खुले, आलमारी के लॉकर टूटे थे. सागर ने अन्नपूर्णा मेडम को फोन करके घटना के बारे में बताया, उन्हौंने वीडियो बनाकर भेजने के लिये तो उन्हें घर का वीडियो बनाकर भेजा और अंदर के कमरों में जिनमें ताला नहीं था जाकर देखा बेडरूम में रखी आलमारी व दीवान का सामान बिखरा हुआ था. अन्नपूर्णा पांडेय ने बताया कि घर में सोने की चैन सहित अन्य जेवर रखे थे. घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच के बाद चोरों की तलाश शुरु कर दी है.

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु ई- निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/20/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाईट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	81255995	मैनुफेक्चर एंड सप्लाई of मेटल Liners 60 kg for use with ERC	708821 Nos	23/07/2026
2	8125WCRTP-20A	मैनुफेक्चर एंड सप्लाई ऑफ इंडिविजुअल/ आइसोलेटेड प्रे-टेन्सिओनेड प्रे-स्ट्रेस्ड कंक्रीट (PSC) स्लीपर्स	21506.84 मीटर	04/08/2026
3	30261640	कंट्रोल आर्म असेंबली लेफ्ट कन्सिस्टिंग ऑफ 02 (TWO) आइटम्स	1476 Sets,	05/08/2026
4	30261048	डबल एक्टिंग हाइड्रोलिक शॉक अब्सॉर्बर फॉर वर्टीकल एप्लीकेशन	2261 नंबर्स	12/08/2026
5	38262317	एडाप्टर (NARROW JAW) क्लास 'E' 6"X11" TO RDSO'S DRG.	121762 नंबर्स	13/08/2026
6	30261044B	बेयरिंग पीस फॉर साइड Bearer to Drg. No. T-0-5-649, Alt.-18 & T(small L)	2617 नंबर्स	18/08/2026
7	30261165B	बफुल प्लस वाला साइज: 32 MM, बॉडी width 75 to 80 mm, बॉडी Length 145	5076.00 नंबर्स	26/08/2026
8	30261351	रबर बफर स्प्रिंग फॉर 1225 KGM कैपेसिटी (एक सेट कन्सिस्टिंग ऑफ 4)	2364 सेट	27/08/2026
9	65255014A	सप्लाई ऑफ 03 Nos. Turbo चार्जर ट्रक (कायल पेयरी)	03 नंबर्स	31/08/2026
10	30261218	सेट ऑफ HYTREL UPPER एंड लोअर वीयर प्लेट	359 set	01/09/2026

50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। (हस्ता)

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की मेसेर्स आर्य कंस्टक्शंस, फर्म रजिस्टेशन नंबर - 04/14/01/ 0243/ 26, पता 1144, नेपियर टाउन,डी. गुप्ता बिल्डिंग, ब्लूम चौक, शास्त्री ब्रिज, जबलपुर - 482001 फर्म में श्री नितिन शर्मा को दिनाक 10/07/ 2026 से फर्म के भागीदार बनाया गया है जिस के पश्चात फर्म में श्री जय घनघोरिया, श्री अमित सोनी एवं श्री नितिन शर्मा भागीदार है।

वास्ते
मेसेर्स आर्य कंस्ट्रक्शंस

अमित सोनी
(भागीदार)

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 84
2026-2027 दिनांक 20/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री रामऔतार राजपूत, पिता श्री हनुमन्त राजपूत** भवन न क्रं. 1202/ प-ए, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000362262 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री विकास चावडे एवं माधुरी चावेड, दोनों के पिता श्री एम.एस. चावेड, **वार्ड महर्षि महेश योगी, वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 850 व.फु., निर्मित भूतल 600 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 600 व.फु., द्वितीयतल 150 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 78
2026-2027 दिनांक 10/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्री गणेश कुमार चौहान, (नोयिया) पिता-स्व. श्री महेन्द्र प्रसाद चौहान** भवन न क्रं. 2824/6 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000430696 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्री बलीराम चौहार, 2. गणेश कुमार चौहान, दोनों के पिता स्व. श्री महेन्द्र प्रसाद चौहान, **वार्ड निर्मल चंद जैन वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 720 व.फु., निर्मित भूतल 636 व.फु. आर.सी.सी., **हकत्याग पत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 77
2026-2027 दिनांक 10/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती मिथलेश झा, पति स्व. श्री डी.पी.झा,** भवन न क्रं. 2746/7 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000431203 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्री डी.पी.झा, पिता- छोटे लाल झा, **वार्ड निर्मल चंद जैन वार्ड ,** निर्मित भूतल 885 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 318 व.फु. आर.सी.सी., **अधिकार पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 70
2026-2027 दिनांक 03/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **1.श्री रामेश्वर डे मजूमदार, पिता श्री एन.सी.डी. मजूमदार, 2. श्री प्रदीप डे मजूमदार, पिता- आर.डी. मजूमदार** भवन न क्रं. 932/ पी. नं. 25 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000360133 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्री शिवहरी श्रीवास्तव, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड ,** निर्मित भूतल 732 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 500 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 85
2026-2027 दिनांक 20/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती अनीता पिल्ले, पति श्री विमल नाथ पिल्ले** भवन न क्रं. 2795/1 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000431491 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती नीता वाघवानी, पति श्री रूपेश कुमार वाघवानी, 2. श्री रूपेश कुमार वाघवानी, पिता- अशोक कुमार वाघवानी, **वार्ड निर्मलचंद जैन वार्ड ,** निर्मित भूतल 1187 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 79
2026-2027 दिनांक 17/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती सुनीता दीक्षित, पति-नेतराम दीक्षित** भवन न क्रं. 3610/ सी संपत्ति कर/ पिन नं. 1004079692 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती नमिता झा, पति स्व. श्री नेतराम दीक्षित, **वार्ड शहीद अ. हमीद वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 1000 व.फु., निर्मित भूतल 1000 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 1000 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 81
2026-2027 दिनांक 17/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **कुमारी अर्पिता मजूमदार, पिता-श्री पिजुस मजूमदार** भवन न क्रं. खसरा नं. 289,290, 291/1 का भाग, पी. नं. 19 का भाग संपत्ति कर/ पिन नं. 100431743 जलकर पिन नं. ...... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री कृष्ण चंद्र दत्ता, पिता स्व. श्री नरेन्द्र नाथ दत्ता, (विक्रेता- श्री प्रदीप कुमार दत्ता, पिता-कृष्ण चंद्र दत्ता) **वार्ड निर्मल चंद जैन वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकवा 3600 व.फु., निर्मित भूतल 1800 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/108 दिनांक 21.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री सूरज राजभर, 2. श्री राहुल राजभर, दोनों के पिता- श्री बलीराम राजभर** ने मकान नं. 1445/ फ्लेट नं. 403 **वार्ड स्वामी दयानदं सरस्वती वार्ड,** चतुर्थतल 965 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/106 दिनांक 21.07.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **1. श्री राजकुमार शिवहरे, 2. श्री मुकेश शिवहरे, दोनों के पिता- स्व. श्री रामलाल शिवहरे** ने मकान नं. 8/67 **वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी वार्ड,** भूतल 48 व.फु., **जेडीए लीज डीड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/123
2026-27 दिनांक 21/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1004569029,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती रश्मि जोधानी, पिता - प्रकाश चन्द्र जोधानी, पति- हिमांशु बबानी,,** के स्थान पर आवेदक- **श्री चमन लाल पटेल, पिता श्री मकरंद सिंह पटेल एवं श्रीमती रिया पटेल, पिता- दीवान सिंह, पति- चमन लाल पटेल,** ने **मकान नं. 901/1 पुराना 746, वार्ड क्र. 14 , नरसिंह वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1200 व.फु., भूतल 400 व.फु. , **दस्तावेज- विक्रयपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/122
2026-27 दिनांक 21/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000511772,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्री आनंद शंकर व सुनील कुमार/ उमा शंकर कुशवाहा,** के स्थान पर आवेदक- **श्रीमती संतोष वर्मा, पति स्व. श्री सुनील कुमार वर्मा, शुभम वर्मा एवं जावेरी वर्मा, दोनों के पिता स्व. श्री सुनील कुमार वर्मा,** ने **मकान नं. 1046/1, वार्ड क्र. 13 , ... वार्ड,** प्लाट क्षेत्रफल 1530 व.फु., भूतल 930 व.फु., प्रथमतल 930 व.फु., **दस्तावेज- त्यागपत्र, (रिलीज डीड) ,मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04,छोटी लाईन फाटक गोरखपुर नगर पालिक निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/04/एम/121
2026-27 दिनांक 21/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि संपत्तिकर पिन नं. **1000507595,** में पंजीकृत भवन स्वामी **श्रीमती कौशल्या देवी,** के स्थान पर आवेदक- **श्री राज सिंह, पिता- टेक सिंह,** ने **मकान नं. 1697, वार्ड क्र. 12 , ... वार्ड,** भूतल 250 व.फु., **दस्तावेज- मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया हैं। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक-04 छोटी लाईन फाटक गोरखपुर** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-04 नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2026-27/.... दिनांक- 16.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विजय सिंह, श्री वीरेन्द्र सिंह एवं श्री राजेन्द्र सिंह, तीनों के पिता- गोकुल सिंह चंदेल** ने भवन/ क्रमांक 476, सम्पति कर आई.क्रं. 1000467271 **वार्ड शीतला माई- 45 वार्ड,** क्षेत्रफल 1125 व.फु., भूतल 800 व.फु., प्रथमतल 700 व.फु., **वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन/ क्रमांक 476, , पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2026-27/.... दिनांक- 20.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री गोविन्द चौधरी, पिता- सूरजदीन चौधरी** ने भवन/ क्रमांक 1296, सम्पति कर आई.क्रं. 1000450952 **वार्ड राधा कृष्णन वार्ड,** क्षेत्रफल 400 व.फु., भूतल 400 व.फु., **विक्रयपत्र, शपथपत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन/ क्रमांक 1296, पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-08,भानतलैया नगर निगम जबलपुर

क्रं.सं.अधि/08/भान./2026-27/.... दिनांक- 16.07.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री संदेश कुमार जैन, पिता स्व. श्री पूरनचंद जैन** ने भवन/ क्रमांक 633, सम्पति कर आई.क्रं. 1000370072 **वार्ड हनुमान ताल वार्ड,** भूतल 275 व.फु., प्रथमतल 275 व.फु. , **विक्रयपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र ,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन/ क्रमांक 633, पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी व्यक्ति को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-08 भानतलैया** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-08 भानतलैया नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096